राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार, 18 अगस्त-2021 वर्ष-4, अंक -206 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

देश के 8 राज्यों में जारी है पूर्ण लाकडाउन, कई राज्यों में हटाई गईं पाबंदिया

नई दिल्ली। देश भर में कोरोना संक्रमण की रफ्तार अब धीमी पड़ने लगी है। इसके बावजूद अभी देश के कई राज्यों में पूर्ण लाकडाउन तो कई में ढील के साथ आंशिक लॉकडाउन जैसी स्थित जारी है। असम में 18 अगस्त से नाईट कर्फ्यू लागू किया जाएगा। वहीं महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में अभी रविवार को पूर्ण लाकडाउन जारी है। दोनों राज्यों में कुछ प्रतिबंधों में ढील दी गई है और माल, रेस्तरां, जिम, सैलून और स्पा को फिर से खोलने की अनुमति मिल गई है।

देश के आठ राज्यों में अभी भी लॉकडाउन जैसी सख्त पाबंदियां जारी हैं। ये राज्य हैं पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी। शेष 23 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन जारी हैं। 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना मामलों में कमी को देखते हुए आंशिक लॉकडाउन लागू है। ये हैं- कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैंड, सिक्किम, असम, मणिपुर, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा और गुजरात।

असम सरकार ने मौजूदा में बदलाव किए हैं जो 18 अगस्त से अगले आदेश तक लागू होंगे। इसके तहत अब यहां रात 7 बजे से सुबह 5 बजे तक रात्रि कर्फ्यू रहेगा। साथ ही राज्य के जिन इलाकों में 7 दिनों के भीतर दस से अधिक संक्रमण के मामले मिलेंगे वह कंटेमेंट जोन घोषित किया जाएगा और यहां जरूरी गतिविधियों को छोड़ सख्त प्रतिबंध लागू होंगे। महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। राज्य में धीरे-धीरे प्रतिबंधों को हटाया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र की जनता को चेतावनी दी और कहा कि दवाओं और वैक्सीन उपलब्ध हैं, लेकिन आक्सीजन की अब भी कमी है।

टोक्यो पैरालिंपिक के खिलाड़ियों से बोले पीएम मोदी- पूरी मेहनत और बिना किसी दबाव के खेलिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 24 अगस्त से 5 सितंबर, 2021 तक पैरालिंपिक में जा रहे 54 सदस्यीय भारतीय खिलाड़ियों के दल से बातचीत की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि इस बार पैरालंपिक खेलों में भी भारत नया इतिहास बनाने जा रहा है। मैं सभी खिलाड़ियों और कोच को आपकी सफलता के लिए ढेरों शुभकामनाएं देता हूं। इससे पहले सोमवार को पीएम मोदी ने टोक्यो ओलिंपिक के खिलाड़ियों से मुलाकात की थी।

पीएम ने पैरालिंपिक खिलाड़ियों से बात करते हुए कहा कि नई सोच का भारत आज अपने खिलाड़ियों पर मेडल का दबाव नहीं बनाता है। आपको बस अपना शत-प्रतिशत देना है। पूरी लगन के साथ, कोई भी मानसिक बोझ के बिना, सामने कितना ही मजबूत खिलाड़ी हो, आप पूरी मेहनत से खेलिए।

इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टोक्यो ओलंपिक में जा रहे पैरालंपिक खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए हमारे बीच उपस्थित हुए हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश पर खेल मंत्रालय ने सुनिश्चित किया कि

हमारे खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधा मुहैया कराई जा सके।

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से भारतीय खिलाड़ियों के

पीएम ने पैरालिंपिक खिलाड़ियों से बात करते हुए कहा कि नई सोच का भारत आज अपने खिलाड़ियों पर मेडल का दबाव नहीं बनाता है। आपको बस अपना शत-प्रतिशत देना है। पूरी लगन के साथ, कोई भी मानसिक बोझ के बिना, सामने कितना ही मजबूत खिलाड़ी हो, आप पूरी मेहनत से खेलिए।
इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टोक्यो ओलंपिक में जा रहे पैरालंपिक खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए हमारे बीच उपस्थित हुए हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश पर खेल मंत्रालय ने सुनिश्चित किया कि हमारे खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधा मुहैया कराई जा सके।

टोक्यो ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन की सराहना करने के बाद सोमवार को अपने आवास पर भारत के ओलिंपिक दल से नाश्ते पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नीरज चोपड़ा को उनका पसंदीदा चूरमा खिलाया, तो पीवी सिंधू को आइसक्रीम पार्टी भी दी। दरअसल, जब खिलाड़ी ओलंपिक के लिए रवाना हुए थे तो पीएम ने सिंधू से वादा किया था कि जब आप भारत लौटेंगी तो आपको आइसक्रीम खिलाएंगे। वहीं, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने नीरज चोपड़ा से वादा किया था कि जब वह स्वदेश लौटेंगे तो प्रधानमंत्री मोदी उन्हें चूरमा खिलाएंगे।

मालूम हो कि भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलिंपिक में एक स्वर्ण समेत सात पदक जीते, जो अब तक ओलिंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। नीरज चोपड़ा ने भालाफेंक में पीला तमगा जीता। सिंधू ने ओलिंपिक में दूसरी बाद पदट जीता। भारत को 41 साल बाद ओलिंपिक में हाकी का पदक दिलाने वाली पुरुष हाकी टीम से भी प्रधानमंत्री ने बात की। टोक्यो ओलिंपिक में पहलवान रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता। भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने पहले ही दिन रजत पदक जीतकर भारत के अभियान की शुरुआत की थी। मुक्केबाज लवलीना बोरगोहाई ने कांस्य पदक जीता।

अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर वतन लौटा वायुसेना का विमान, जामनगर में लैंडिंग

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के पूरी तरह तालिबान के कब्जे में जाने के बाद भारत ने काबुल स्थित दूतावास को फिलहाल बंद कर अपने सभी कर्मचारियों को वतन वापस बुला लिया है। इसके लिए सी-17 ग्लोबमास्टर विमान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से 120 से अधिक यात्रियों को लेकर उड़ान भरी थी। सूत्रों के मुताबिक, यह विमान भारत आ चुका है और गुजरात के जामनगर में लैंड हुआ है। हालांकि, पहले यह कहा जा रहा था कि विमान दिल्ली लैंड करेगा। इससे पहले सोमवार को भी राजनयिकों और सुरक्षा कर्मियों सहित करीब 40 लोग को दिल्ली पहुंचे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए यह फैसला किया गया है कि काबुल में हमारे राजदूत और सभी भारतीय कर्मचारी तुरंत भारत आएंगे।

बता दें कि राजदूत रुद्रेंद्र टंडन ने पिछले साल अगस्त में काबुल में अपना कार्यभार संभाला था। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि भारत को इस बात की आशंका थी कि काबुल में उसके राजदूत और राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा की गांरटी नहीं दी जा सकती। खबरों के मुताबिक, दूतावास के अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों और कुछ भारतीय नागरिकों को

सोमवार देर रात काबुल हवाईअड्डे के सुरक्षित इलाकों में लाया गया। सोमवार को जो लोग भारत वापस आए हैं, उन्हें काबुल के राजनयिक क्वार्टर की रखवाली करने वाले तालिबान लड़ाकों ने वापस कर दिया था। बाद में पूरे दिन भारतीय पक्ष द्वारा गहन प्रयासों के बाद वे हवाई अड्डे पर पहुंचे। इन प्रयासों में विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल थे। मंगलवार को लगभग 3 बजे उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ इस संबंध में अपनी चर्चा के बारे में ट्वीट किया।

अफगानिस्तान में आतंक मचाने वाले तालिबानियों में दो भारतीय भी शामिल!

शशि थरूर ने जताया संदेह

तिरुअनंतपुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अफगानिस्तान में आतंक मचाने वाले तालिबानियों में भारत के भी दो लोगों के शामिल होने की आशंका जताई है। ये दोनों ही शख्स केरल प्रांत के रहने वाले हैं। पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने एक वीडियो ट्वीट किया है, जिसमें इन दोनों लोगों के हाथों में बंदूकें हैं और वे मलयाली भाषा में बात कर रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए शशि थरूर ने लिखा, इन्हें सुनकर ऐसा लगता है कि वहां दो मलयाली तालिबान भी मौजूद हैं। इनमें से एक ने 8 सेकेंड तक मलयाली में बात की और दूसरा व्यक्ति उसकी बात को समझता दिख रहा है। शशि थरूर ने 15 अगस्त को इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया था।

वीडियो में दिखता है कि काबुल के बाहरी इलाके में पहुंचने पर तालिबानी लड़ाके खुशी

में रोते दिख रहे हैं। इसके कुछ घंटों के बाद ही उन्होंने काबुल पर कब्जा जमा लिया था। हालांकि शशि थरूर ने रमीज नाम के जिस शख्स की ओर से ट्वीट किए गए वीडियो को शेयर किया था, उसकी ओर से ही यह अनुमान लगाया गया कि ये केरल के लड़ाके नहीं हैं। रमीज ने लिखा, ये केरल मूल के लड़ाके नहीं दिखते। ये जाबुल प्रांत के बलूच लगते हैं, जो ब्राहवी भाषा बोल रहे हैं। यह भाषा भी द्रविड़ियन परिवार की है और बलूचों की भाषा है। यह तेलुगु, तमिल और मलयालम से मिलती जुलती है।

रमीज की इस पोस्ट को भी शशि थरूर ने शेयर किया है। थरूर ने लिखा, रोचक विश्लेषण। हम इस मामले को भाषाविदों पर ही छोड़ते हैं। लेकिन ऐसा हो सकता है कि ये मिसगाइडेड मलयाली हों, जिन्होंने तालिबान जॉइन कर लिया है। इसलिए इस संभावना को पूरी तरह से खारिज भी नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में कब्जा करने के बाद तालिबानी इन दिनों जश्न मना रहे हैं। एम्यूजमेंट पार्क से लेकर जिम तक के उनके वीडियो सामने आए हैं, जिसमें वे एंजॉय करते दिखे हैं।

पेगासस मामला-केंद्र को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, दस दिन के भीतर मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को पेगासस मामले में जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की गई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब की मांग की है। इसके लिए 10 दिन का समय भी दिया गया है। अब मामले में 10 दिन बाद फिर से सुनवाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, हमारे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है।

मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा, हम नोटिस बिफोर एडमिशन जारी कर रहे हैं। कमिटी के गठन पर

बाद में फैसला लेंगे। मामले को लेकर 10 दिन के बाद सुनवाई के लिए लगाया जाए। भारत के चीफ जस्टिस एनवी रमना और जस्टिस सूर्यकांत और अनिरुद्ध बोस की बेंच ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा, मामले को 10 दिनों के बाद सूचीबद्ध किया जाएगा। केंद्र सरकार ने कोर्ट से कहा कि वह विशेषज्ञ समिति को पेगासस के बारे में विवरण देने को तैयार है, लेकिन इसे कोर्ट के समक्ष सार्वजनिक नहीं करेगी क्योंकि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है।

स्वतंत्रता दिवस पर बिना इजाजत बाइक रैली करना पड़ा भारी, 'आप' विधायक और कई अन्य पर केस दर्ज

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर बिना अनुमति के बाइक रैली निकालना आम आदमी पार्टी (आप) के एक विधायक और उनके कार्यकर्ताओं का भारी पड़ गया। इस दौरान उन पर कोविड नियमों का उल्लंघन करने का भी आरोप है।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में कोंडली विधानसभा सीट से 'आप' विधायक कुलदीप कुमार मोनू और कई अन्य लोगों के खिलाफ कल्याणपुरी थाने में स्वतंत्रता दिवस पर बिना अनुमति के बाइक रैली करने का मामला दर्ज किया है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, विधायक कुलदीप मोनू, 'आप' पार्षद धीरेंद्र गौतम और कोंडली विधानसभा क्षेत्र की पार्टी प्रभारी अनीता भट्ट 15 अगस्त को बाइक रैली का नेतृत्व कर रहे थे। कल्याणपुरी इलाके में राष्ट्रीय ध्वज पकड़े करीब 25 लोग एकत्र हुए थे।

पुलिस ने कहा कि इस दौरान इन

नेताओं और उनके सभी समर्थकों ने COVID मानदंडों का पालन नहीं किया और उनमें से अधिकांश ने तो मास्क भी नहीं पहना हुआ था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, कुलदीप मोनू और अन्य को इस तरह की रैली करने की इजाजत नहीं दी गई थी।

वहीं, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को दावा किया कि वकील और दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रवक्ता अश्विनी उपाध्याय के जंतर-मंतर पर कथित तौर पर सांप्रदायिक नारेबाजी करने वाले पांच गिरफ्तार आरोपियों में से एक के साथ संबंध थे। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि आरोपी प्रीत और उपाध्याय एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम का आयोजन करने से पहले पुलिस को सौंपे गए आवेदन में प्रीत का नाम था।

पुलिस ने मामले में अश्विनी उपाध्याय सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया था। दिल्ली की एक अदालत ने उपाध्याय को बुधवार को जमानत दे दी, जिन्होंने कथित तौर पर मुस्लिम विरोधी नारेबारी की घटना में किसी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में जंतर-मंतर पर एक प्रदर्शन के दौरान मुस्लिम विरोधी नारेबाजी दिखी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

जंतर-मंतर पर आठ अगस्त को आयोजित कार्यक्रम भारत जोड़ो आंदोलन में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया था। घटना के सिलसिले में कनॉट प्लेस थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने उपाध्याय सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया था। पांच अन्य आरोपियों की पहचान प्रीत सिंह, दीपक सिंह, दीपक कुमार, विनोद शर्मा और विनीत वाजपेयी के रूप में हुई है। आरोपियों को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किया गया।

20 साल से चल रही बेनतीजा जंग, तारीखें गवाह बनती रहीं; नहीं थमा सिलसिला; पाक ने निभाई है स्याह भूमिका

नई दिल्ली। 2001 में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिका की अगुआई में नाटो सेनाओं ने तालिबान को अफगानिस्तान से मिटाने के लिए जंग शुरू की थी। हमले के पहले महीने में ही अमेरिका ने तालिबान को सत्ता से उखाड़ दिया था, लेकिन आतंकियों का सफाया करना अमेरिका के लिए संभव नहीं हो पाया। तालिबान को वहां सत्ता से दूर रखने के लिए चल रही जंग को 20 साल बीत चुके हैं। आज फिर अफगानिस्तान पर तालिबान का नियंत्रण हो गया है। ज्यादातर इलाके आतंकियों के कब्जे में हैं।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमले ने रखी मौजूदा लड़ाई की नींव-11 सितंबर, 2001 को आतंकी संगठन अल कायदा ने अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर को आत्मघाती हमले में तबाह कर दिया था। आतंकियों ने चार विमानों का अपहरण कर लिया था। इनमें से दो विमानों से ट्विन टावर्स के नाम से प्रसिद्ध वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की दो बहुमंजिला इमारतों को निशाना बनाया गया था। एक

विमान से पेंटागन पर हमला किया गया और एक अन्य विमान पेंसिल्वेनिया के खेतों में क्रैश हो गया। हमले का मुख्य साजिशकर्ता अल कायदा का सरगना ओसामा बिन लादेन था और तालिबान ने उसे शरण दी थी। तालिबान ने अलकायदा के आतंकियों को सौंपने से इन्कार किया, तो अमेरिका ने सैन्य हमले का रास्ता चुना। अमेरिका ने तालिबान को मिटाने और अफगानिस्तान में लोकतंत्र स्थापित करने के लक्ष्य के साथ लड़ाई शुरू की। अक्टूबर, 2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया और महीनेभर में तालिबान को सत्ता से उखाड़ दिया। नाटो सेना भी अमेरिका के साथ इस लड़ाई का हिस्सा बन गई। 2004 में अफगानिस्तान में नई सरकार सत्ता में आई।

पाकिस्तान ने निभाई है स्याह भूमिका

पाकिस्तान इस बात से इन्कार करता रहता है कि तालिबान के पनपने में उसका हाथ है, जबकि ऐसे आतंकियों को पनाह देने के कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। माना जाता है कि तालिबान से शुरुआती तौर पर जुड़ने वाले अफगानी पाकिस्तान के मदरसों में ही पढ़े थे। पाकिस्तान उन तीन देशों में से है, जिन्होंने अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को स्वीकृति दी थी। पाकिस्तान के अलावा सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने तालिबान की सत्ता को स्वीकारा था। इस संगठन से राजनयिक संबंध तोड़ने वाले देशों में पाकिस्तान आखिरी था। धीरे-धीरे पाकिस्तान के लिए भी तालिबान खतरा बन गया।

तारीखें गवाह बनती रहीं, नहीं थमा सिलसिला

11 सितंबर, 2001- ओसामा बिन लादेन की अगुआई वाले आतंकी संगठन अल कायदा ने अमेरिका में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन पर हमला किया। इसमें करीब 3,000 लोग मारे गए।

7 अक्टूबर- अमेरिका के नेतृत्व में अफगानिस्तान में तालिबान के इलाकों पर हवाई हमले किए गए। आतंकियों का एयर डिफेंस तबाह हो गया।

13 नवंबर- बड़ी संख्या में तालिबान आतंकी मारे गए और बाकी भाग गए। काबुल पर तालिबान से लड़ रहे रक्षा बलों का कब्जा हो गया।

26 जनवरी, 2004- अफगानिस्तान में नया संविधान अस्तित्व में आया। अक्टूबर, 2004 में राष्ट्रपति के चुनाव हुए।

7 दिसंबर- हामिद करजई ने नए राष्ट्रपति के तौर पर पद संभाला। उन्होंने दो बार पांच-पांच साल तक सत्ता संभाली।

17 फरवरी, 2009- अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़ाने का एलान किया। इनकी अधिकतम संख्या एक लाख 40 हजार तक रही।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शर्मसार न हो इंसानियत

अफगानिस्तान का फिर बर्बरता के शिकंजे में चले जाना पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक है। कथित इस्लामी सत्ता की स्थापना के लिए तालिबान जो कर रहा है, उसकी दुनिया में शायद ही किसी कोने में प्रशंसा होगी। दुनिया स्तब्ध है और भारत जैसे देश तो कुछ ज्यादा ही आहत हैं। हम उस इतिहास में जाकर कतई भावुक न हों कि अफगानिस्तान कभी भारत वर्ष का हिस्सा था, जहां सनातन धर्म और बौद्धों का वर्चस्व था, हमें अभी अपने उस तन-मन-धन के निवेश पर गौर करना चाहिए, जो हमने विगत कम से कम बीस वर्षों में वहां किया। एक उदारवादी ताकत के रूप में न जाने कितनी विकास परियोजनाओं में भारत की वहां हिस्सेदारी रही। लगभग तीन हजार भारतीय अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में लगे थे। एक अनुमान के अनुसार, भारत ने वहां 2.3 अरब डॉलर के सहायता कार्यक्रम चला रखे हैं, अब उनका क्या होगा? भारत और भारतीयों द्वारा वहां मानवीय सहायता, शिक्षा, विकास, निर्माण और ऊर्जा क्षेत्र में किए गए निवेश का क्या होगा? आम अफगानियों के मन में भारत के प्रति अच्छे भाव हैं, लेकिन तालिबान का रुख तल्ख ही रहा है। बहरहाल, भारतीय ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों के लोग भी अफगानिस्तान से भाग रहे हैं और तालिबान में इतनी सभ्यता भी नहीं कि वह लोगों को रोकने के लिए कोई अपील करे। संयुक्त अरब अमीरात भी मजहबी आधार वाला देश है, लेकिन उसने कैसे दुनिया भर के अच्छे और योग्य लोगों को जुटाकर अपने यहां आदर्श समाज जुटा रखा है, लेकिन अफगानिस्तान में जो इस्लामी खलीफा शासन स्थापित होने वाला है, उसमें इतनी सभ्यता भी नहीं है कि उन लोगों को रुकने के लिए कहे, जो अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में दिन-रात एक किए हुए थे। विगत दशकों में तालिबान ने एकाधिक आतंकी हमले सीधे भारतीय दूतावास पर किए हैं और अपनी मंशा वह साफ कर चुका है। कंधार विमान अपहरण के समय तालिबान की भूमिका भारत देख चुका है। क्या दुनिया के आतंकवादियों को अफगानिस्तान में सुरक्षित ठिकाना मिल जाएगा? क्या ये पैसे लेकर सभ्य देशों को परेशान करने और निशाना बनाने का ही काम करेंगे? जो देश प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से तालिबान की पीठ पीछे खड़े हैं, उनकी भी मानवीय जिम्मेदारी बनती है। अभी कुछ ही दिनों पहले भारत की कोशिश से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान के बचाव के लिए विशेष बैठक हुई थी, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला है। अभी भारत के पास परिषद की अध्यक्षता है, क्या उसे नए सिरे से पहल नहीं करनी चाहिए? तालिबान पर किसी को भरोसा नहीं है और अभी सभी का ध्यान अपने-अपने नागरिकों को बचाने पर है, लेकिन आने वाले दिनों में व्यवस्थित ढंग से सोचना होगा कि ताकत और पैसे के भूखे आतंकियों के खिलाफ क्या किया जाए? हां, यह सही है कि तालिबान में भी सभी आतंकी नहीं होंगे, कुछ अपेक्षाकृत सभ्य भी होंगे, जो अपने देश की बदनामी नहीं चाहेंगे। ऐसे लोगों को कोशिश करनी चाहिए कि अफगानिस्तान का पुनर्निर्माण न रुके। अफगानी युवाओं को बंदूकों के सहारे ही जिंदगी न काटनी पड़े। महिलाओं की तौहीन न हो। अफगानिस्तान दुनिया में नफरत और हिंसा बढ़ाने की वजह न बने। कुल मिलाकर, उदारता और समझ की खिड़की खुली रहनी चाहिए, ताकि इंसानियत शर्मसार न हो।

‘आज के ट्वीट

पहचान

भारत में स्पोर्ट्स कल्चर को विकसित करने के लिए हमें अपने तौर-तरीकों को लगातार सुधारते रहना होगा। आज अंतर्राष्ट्रीय खेलों के साथ साथ पारंपरिक भारतीय खेलों को भी नई पहचान दी जा रही है:

-- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

भारतीय संस्कृति ही देश की मूल आत्मा

– अशोक बजाज

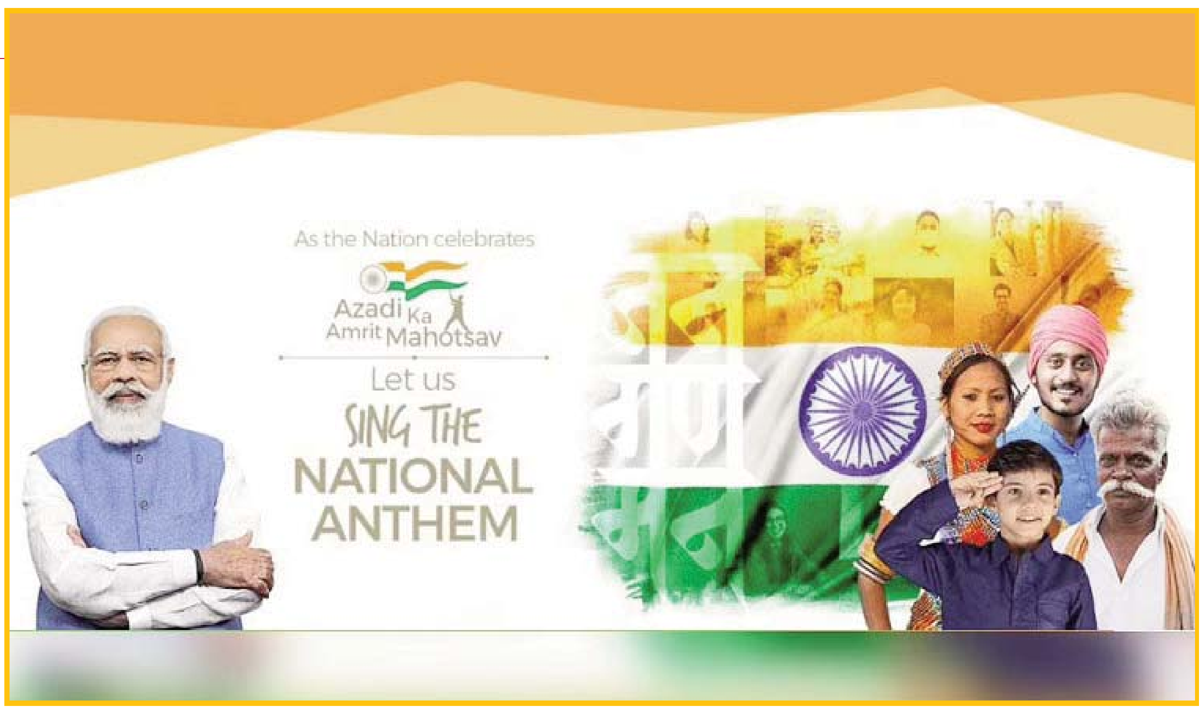

भारत की आजादी का 75 वां वर्ष यानी आजादी का अमृत महोत्सव धूमधाम से मनाने के लिए देश की युवा पीढ़ी आतुर है। 15 अगस्त 1947 को वर्षों की गुलामी के बाद भारत की जनता ने आजादी का पहला पर्व मनाया था। तब और अब में काफी अंतर है, आज पूरी पीढ़ी बदल गई है। ऐसे लोग जिंहोने आजादी के लिए संघर्ष किया और नाना प्रकार के जुल्म सहें उनमें से शायद बिरले लोग ही आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए बचे होंगें, परंतु उन्होने अपनी कुर्बानियों से हमें यह पर्व मनाने का अवसर प्रदान किया है। कल्पना कीजिये कि वर्षों की गुलामी के बाद जब भारत कि पावन भूमि पर जब सूरज की पहली किरण पड़ी होगी तो वह दृश्य कितना मनमोहक रहा होगा। चारों तरफ ढोल-नगाड़े बज रहे होंगे, युवकों की टोलियां मस्तानी नृत्य कर रही होगी। महिलाएं गा-गा कर जश्न मना रही होगी। खेत से खलिहान तक किसान मस्ती में डूब गये होंगे। साहित्यकारों एवं कवियों की कलम कुछ लिखने के लिए फड़क रही होगी। नई सूरज की लालिमा के साथ चिड़ियों का झुंड कलरव करते हुये आजादी के तराने गा रहे होंगे। यानी पूरा देश खुशियों से सराबोर हो गया होगा। गंगा, यमुना, कावेरी, गोदावरी, चंबल व महानदी जैसी असंख्य नदियों के जल की लहरों व सूरज की किरणों की जुगलबंदी से तरंगों की बौछार हुई होगी। ताल-तलैयो व झरनों के जल में खुशियों का रंग देखते ही बनता होगा। विंध्य व हिमालय की पर्वतमालाएँ जिन्होंने आजादी के रक्तरंजित दृश्य को अपनी ऊचाइयों से देखा था पूरे देश को नाचते-झूमते देख कर न जाने कितने प्रसन्न हुये होंगे और इन खुशियों को निहारते निहारते आसमान भी झूम उठा होगा। 125 करोड़ की आबादी के देश में आज ऐसे कितने लोग बचे हैं जिन्होंने 15 अगस्त 1947 की उस सुनहरे पल को निहारा होगा। जिनका जन्म 1940 या उससे पहले हुआ है उन्हें ही यह सब याद होगा। लेकिन जिन्होंने आजादी की लड़ाई में हिस्सेदारी निभाई, जिन्होंने सीना अड़ाकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया या जिन्होंने अंग्रेजों को देश छोड़ने के लिए मजबूर किया ऐसे अधिकांश लोग स्वर्ग सिधार चुके हैं। उस पीढ़ी के जो लोग आज मौजूद है वे आजादी की लड़ाई के जख्मों के दर्द तथा ढलती उम्र की पीडा को तो झेल रहे हैं लेकिन उससे कहीं ज्यादा उन्हें आजाद भारत की दशा का दर्द हो रहा होगा। देश में बढ़ती अराजकता, आतंकवाद, अलगाववाद, क्षेत्रीयतावाद के साथ-साथ राष्ट्र की संस्कृति की विकृति देखकर उन्हें रोना आ रहा होगा। उनके मन की वेदना को समझने की आज फुर्सत किसे है ? आजादी मिली हम बढ़ते चले गये आज भी बढ़ते जा रहा है। पूराने इतिहास को भूल कर रोज नया इतिहास गढ़ते चले जा रहे हैं। चलते-चलते इन वर्षों में ऐसा कोई पड़ाव नहीं आया जब हम थोड़ा ठहर कर सोचते कि हम कहां जा रहे हैं ? हमारी दिशा क्या है ? हमारी मंजिल क्या है ? हमारी मान्यताएं व प्राथमिकताएं क्या है ? अंग्रेजी शासन काल में सबका लक्ष्य एक था ‘स्वराज’ लाना लेकिन स्वराज के बाद हमारी मान्यताएं व प्राथमिकताएं क्या क्या होंगी , हम किस दिशा में आगे बढ़ेगे ? इस बात पर ज्यादा विचार ही नहीं हुआ। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने 1964 में कहा था कि हमें ‘स्व’ का विचार करने की आवश्यकता है। बिना उसके ‘स्वराज्य’ का कोई अर्थ नहीं। स्वतन्त्रता हमारे विकास और सुख का साधन नहीं बन सकती। जब तक हमें अपनी असलियत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्तियों का ज्ञान नहीं हो सकता और न उनका विकास ही संभव है। परतंत्रता में समाज का ‘स्व’ दब जाता है। इसीलिए राष्ट्र स्वराज्य की कामना करता हैं जिससे वह अपनी प्रकृति और गुणधर्म के अनुसार प्रयत्न करते हुए सुख की अनुभूति कर सकें। प्रकृति बलवती होती है। उसके प्रतिकूल काम करने से अथवा उसकी ओर दुर्लक्ष्य करने से कष्ट होते हैं। प्रकृति का उन्नयन कर उसे संस्कृति बनाया जा सकता है, पर उसकी अवहेलना नहीं की जा सकती। आधुनिक मनोविज्ञान बताता है कि किस प्रकार मानव-प्रकृति एवं भावों की अवहेलना से व्यक्ति के जीवन में अनेक रोग पैदा हो जाते हैं। ऐसा व्यक्ति प्रायः उदासीन एवं अनमना रहता है। उसकी कर्म-शक्ति क्षीण हो जाती है अथवा विकृत होकर वि-पथगामिनी बन जाती है। व्यक्ति के समान राष्ट्र भी प्रकृति के प्रतिकूल चलने पर अनेक व्यथाओं का शिकार बनता है। आज भारत की अनेक समस्याओं का यही कारण है। राष्ट्र का मार्गदर्शन करने वाले तथा राजनीतिक के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकांश व्यक्ति इस प्रश्न की ओर उदासीन है। फलतः भारत की राजनीति, अवसरवादी एवं सिद्धान्तहीन व्यक्तियों का अखाड़ा बन गई है। राजनीतिज्ञों तथा राजनीतिक दलो के न कोई सिद्धान्त एवं आदर्श हैं और न कोई आचार-संहिता। एक दल छोड़कर दूसरे दल में जाने में व्यक्ति को कोई संकोच नहीं होता। दलों के विघटन अथवा विभिन्न दलों की युक्ति भी होती है तो वह किसी तात्विक मतभेद अथवा समानता के आधार पर नहीं अपितु उसके मूल में चुनाव और पद ही प्रमुख रूप से रहते हैं। राष्ट्रीय दृष्टि से तो हमें अपनी संस्कृति का विचार करना ही होगा, क्योंकि वह हमारी अपनी प्रकृति है। स्वराज्य का स्व-संस्कृति से घनिष्ठ सम्बंध रहता है। संस्कृति का विचार न रहा तो स्वराज्य की लड़ाई स्वार्थी, पदलोलुप लोगों की एक राजनीतिक लड़ाई मात्र रह जायेगी। स्वराज्य तभी साकार और सार्थक होगा जब वह अपनी संस्कृति के अभिव्यक्ति का साधन बन सकेगा। इस अभिव्यक्ति में हमारा विकास होगा और हमें आनंद की अनुभूति भी होगी। अतः राष्ट्रीय और मानवीय दृष्टियों से आवश्यक हो गया है कि हम भारतीय संस्कृति के तत्वों का विचार करें। भारतीय संस्कृति की पहली विशेषता यह है कि वह सम्पूर्ण जीवन का, सम्पूर्ण सृष्टि का, संकलित विचार करती है। उसका दृष्टिकोण एकात्मवादी है। टुकड़ों-टुकड़ों में विचार करना विशेषज्ञ की दृष्टि से ठीक हो सकता है, परंतु व्यावहारिक दृष्टि से उपयुक्त नहीं। अग्रेजी शासन की दासता से मुक्ति पाने के बाद हमारी प्राथमिकता आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता होनी चाहिए थी। संस्कृति देश की आत्मा है तथा वह सदैव गतिमान रहती है। इसकी सार्थकता तभी है जब देश की जनता को उसकी आत्मानुभूति हो। विकासशील एंव धर्मपरायण भारत की दिशा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ही हो सकती है। आज हम गर्व के साथ महसूस कर रहें है कि वर्तमान समय में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परिकल्पना तथा भारतीय संस्कृति यानी देश की मूल आत्मा की पहचान नई पीढ़ी को होने लगी है। हम उम्मीद करें कि आजादी के अमृत महोत्सव में किए जाने वाले प्रयास इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

ज्ञान गंगा

आदर

श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य की श्रेष्ठता की कसौटी यह होनी चाहिए कि उसके द्वारा मानवीय उच्च मूल्यों का निर्वाह कितना हो सका। योग्यताएं, विभूतियां तो साधन मात्र हैं। लाठी एवं चाकू स्वयं न तो प्रशंसनीय हैं, न निन्दनीय। उनका प्रयोग पीड़ा पहुंचाने के लिए हुआ या प्राण-रक्षा के लिए? इसी आधार पर उनकी भर्त्सना या प्रशंसा की जा सकती है। मनुष्य की विभूतियां एवं योग्यताएं भी ऐसे ही साधन हैं। उनका उपयोग कहां होता है, इसका पता मनुष्य के विचारों एवं कार्यों से लगता है। मनुष्यता का गौरव एवं सम्मान इन जड़ साधनों से नहीं, उसके प्राण रूप सद्विचारों एवं सद्प्रवृत्तियों से जोड़ा जाना चाहिए। उसी आधार पर सम्मान देने, प्राप्त करने की परंपरा बनाई जानी चाहिए। जिस कार्य से प्रतिष्ठा बढ़ती है, उसे करने के लिए उसी मार्ग पर चलने हेतु लोगों को प्रोत्साहन मिलता है। प्रबुद्ध जन प्रशंसा और निंदा करने में, सम्मान और तिरस्कार करने में थोड़ी सावधानी बरतें, तो लोगों को कुमार्ग पर न चलने और सत्पथ अपनाने हेतु प्रेरणा दे सकते हैं। आम तौर से उनकी प्रशंसा की जाती है जिन्होंने विशेष सफलता, योग्यता, संपदा एवं विभूति एकत्रित कर ली है। विभूतियों को लोग केवल अपनी सुख-सुविधा के लिए ही एकत्रित नहीं करते वरन् प्रतिष्ठा प्राप्त करना भी उद्देश्य होता है, क्योंकि धन, वैभव वालों को ही समाज में प्रतिष्ठा मिलती है तो सम्मान का भूखा मनुष्य किसी भी कीमत पर उसे प्राप्त करने के लिए आतुर हो उठता है। अनीति और अपराधों की बढ़ोतरी का एक प्रमुख कारण यह है कि अंधी जनता हर सफलता की प्रशंसा करती है और हर असफलता को तिरस्कार की दृष्टि से देखती है। धन के प्रति आदर बुद्धि तभी रहनी चाहिए जब वह नीति और सदाचारपूर्वक कमाया गया हो। अधर्म और अनीति से उपार्जित धन द्वारा धनी बने हुए व्यक्ति के प्रति हम आदर बुद्धि रखते हैं तो इससे उस प्रकार के अपराध करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन ही मिलता है और इस दृष्टि से अपराध वृद्धि में हम स्वयं भी भागीदार बनते हैं। दूसरों को सन्मार्ग पर चलाने का, कुमार्ग की ओर प्रोत्साहित करने का एक बहुत बड़ा साधन हमारे पास मौजूद है, वह है आदर और अनादर। जिस प्रकार वोट देना छोटी घटना मात्र है पर उसका परिणाम दूरगामी होता है, उसी प्रकार आदर के प्रकटीकरण का भी दूरगामी परिणाम संभव है।

विकराल रूप लेती वाहन-पार्किंग की समस्या

– अली खान

मुंबई हाई कोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पार्किंग की समस्या को लेकर राज्य सरकार को जमकर लताड़ लगाई है। हाईकोर्ट ने कहा कि मुंबई और उप-नगरों में दिनोंदिन पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। सड़कों की लगभग चालीस फीसदी जगह दोनों तरफ गाड़ी पार्किंग से कम हो जाती है। आम आदमी के लिए सड़कों पर चलने की जगह नहीं है। पीठ ने सवाल उठाया कि एक परिवार को चार से पांच गाड़ियां रखने की अनुमति क्यों दी जा रही है? पीठ ने कहा कि पार्किंग के लिए जगह हो तो ही नई गाड़ी खरीदने की अनुमति देनी चाहिए। बता दें कि मुंबई हाई कोर्ट में दायर जनहित याचिका में अवैध पार्किंग का मुद्दा उठाया गया था। याचिका में कहा गया था कि बिल्डर बहुमंजिला इमारतों में गाड़ियों की पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं करते, जिसके चलते उसके निवासी सोसायटियों के बाहर सड़कों पर पार्किंग करते हैं। दरअसल, आज सच्चाई यह है कि पार्किंग की समस्या कमोबेश देश के सभी शहरों में देखी जा सकती है। अखबारों में आए दिन सुर्खियां बनती है कि गाड़ी पार्किंग को लेकर झड़प हुई। उत्तर प्रदेश से खबर सामने आई थी कि एक दुकान के सामने गाड़ी पार्क करने के कारण दुकानदार और ड्राइवर के बीच हाथापाई हो गई थी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ से एक खबर थी कि गाड़ी पार्किंग को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई थी। झड़प में गोलीबारी भी की गई थी। शहरों में पार्किंग की समस्या के कारण हर दिन ऐसे विवाद सामने आ रहे हैं। ऐसे में यह सवाल मौजूं है कि आखिर विकराल रूप लेती पार्किंग की समस्या का समाधान की दिशा में सरकारें संवेदनशीलता का परिचय क्यों नहीं दे रही ? देश के सभी शहरों के प्रमुख बाजारों में पार्किंग की समस्या गंभीर रूप ले रही है। यह भी देखा गया है कि बाजार में जगह नहीं होने के कारण लोग मनमर्जी करते हुए फुटपाथ और सड़कों पर गाड़ी पार्क करने से पीछे नहीं हटते। आज आलम यह है कि अवस्थित पार्किंग छोटे से लेकर बड़े शहरों में जाम का मुख्य कारण बन रही है। वहीं, देश की राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां वाहनों की पार्किंग का संकट लगातार बढ़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, सत्तर लाख से अधिक वाहनों वाले इस महानगर में वाहनों की संख्या में बड़ी तेजी से इजाफा हो रहा है, लेकिन इसी अनुपात में इनकी पार्किंग के इंतजाम नहीं किए जा रहे। देश की राजधानी दिल्ली के साथ एक बड़ी समस्या यह भी जुड़ी हुई है कि यहां पड़ोसी शहरों से भी प्रतिदिन लाखों की संख्या में गाड़ियां आती हैं। इन्हें भी आखिरकार कहीं ना कहीं जगह चाहिए। यही वजह है कि सड़क से लेकर बाजार तक बुरा हाल है। बढ़ते वाहनों की वजह से वायु प्रदूषण से भी राजधानी को दो-चार होना पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने दिल्ली सरकार को सुझाव दिया था कि शहर में बढ़ते प्रदूषण, सड़क जाम और पार्किंग जैसी समस्याओं पर काबू पाने के लिए निजी वाहनों की बढ़ती संख्या पर लगाम लगाई जाए। इसके लिए पार्किंग शुल्क में इजाफे की बात कही गई थी। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या पार्किंग की समस्या का यह स्थाई समाधान हो सकता है ? जरूरत इस बात की है कि विकराल रूप लेती पार्किंग की समस्या का स्थाई समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाए। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो यह कहा जा सकता है कि पार्किंग की समस्या बहुत बड़ी परेशानी का सबब बनती नजर आएगी। आज शहरों में निजी वाहनों की संख्या में बेतहाशा और अनियंत्रित बढ़ोतरी हो रही है। इसके चलते सुगम यातायात प्रभावित होता है। ऐसे में सरकारों को निजी वाहनों के क्रय पर लोक परिवहन एवं यातायात शुल्क अधिरोपित करने का प्रावधान करना चाहिए, जिससे निजी वाहनों की संख्या में कमी आएगी और सुगम यातायात सुनिश्चित हो सकेगा। मौजूदा वक्त में नगरीकरण की दर में हो रही वृद्धि से शहरों की भूमि के मूल्यों में अनपेक्षित बढ़ोतरी हुई है। इसलिए शहरों में विशेषकर व्यस्ततम इलाकों में रिक्त स्थानों के अभाव होने से शहर की आवश्यकता के अनुरूप पार्किंग अधोसंरचना का विकास किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है। इसके चलते लोग अपनी गाड़ियों को घर से बाहर सड़क पर पार्क कर देते हैं। इससे न केवल सड़क पर से होकर गुजरने वाले लोगों को बल्कि यातायात को भी कई प्रकार की दिक्कतें झेलनी पड़ती है। ऐसे में शहर में सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए पार्किंग अधोसंरचना में वृद्धि एवं अपेक्षित जनसहभागिता की आवश्यकता है। अकसर यह देखा गया है कि पार्किंग के प्रति जन-जागरूकता के अभाव में कई लोग पार्किंग स्थलों का उपयोग न कर, पार्किंग के लिए गैर चिह्नित स्थलों पर वाहन पार्क कर देते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ लोग नो-पार्किंग जोन, नो-स्टॉपिंग जोन एवं कंट्रोल्ड पार्किंग के क्रियान्वयन में अपेक्षानुरूप सहयोग नहीं करते है, जिससे पार्किंग नियमों का समुचित क्रियान्वयन संभव नहीं हो पाता है। यह सही है कि पार्किंग नियमों का पालन तभी हो सकेगा, जब नागरिक पार्किंग के महत्त्व को समझें। इसके साथ-साथ सरकारों को पार्किंग की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे साथ ही नागरिकों को सूचना, शिक्षा, संचार गतिविधियों के माध्यम से पार्किंग के महत्त्व को समझाये जाने की निहायत जरूरत भी है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडिगो ने ग्वालियर को अपना 70वां घरेलू गंतव्य घोषित किया

नई दिल्ली। क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने के लिए एयरलाइन प्रमुख इंडिगो ने सोमवार को ग्वालियर को अपना 70वां घरेलू गंतव्य घोषित किया। एयरलाइन 1 सितंबर से ग्वालियर से दिल्ली और इंदौर के लिए सीधी उड़ानों के लिए एटीआर विमानों का संचालन करेगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि ग्वालियर के साथ सीधा संबंध 6ई नेटवर्क के माध्यम से पूरे भारत में शहर की समग्र हवाई पहुंच को भी मजबूत करेगा। इंडिगो के मुख्य रणनीति और राजस्व अधिकारी संजय कुमार ने कहा, हम अपनी दुबली, स्वच्छ उड़ान मशीनों पर सस्ती, समय पर, सुरक्षित और परेशानी मुक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

देश में खुदरा बिक्री में सुधार जारी, 2021 जुलाई में महामारी पूर्व स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। भारतीय खुदरा विक्रेता संघ (आरएआई) ने कहा कि देश में खुदरा बिक्री में सुधार जारी है,साथ ही साल 2021 जुलाई में महामारी पूर्व स्तर (जुलाई 2019) के 72 प्रतिशत तक पहुंची है। इसके साथ ही आरएआई ने कहा कि कारोबारियों की उम्मीदें त्यौहारी मौसम पर टिकी हुई हैं। खुदरा विक्रेताओं के निकाय के अनुसार जून 2021 में बिक्री महामारी पूर्व स्तर के 50 प्रतिशत तक थी। ताजा सर्वेक्षण के अनुसार जुलाई 2021 में दक्षिण भारत में सबसे तेजी से सुधार हुआ और बिक्री बढ़कर महामारी पूर्व स्तर के मुकाबले 82 प्रतिशत तक हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि पश्चिम भारत में अभी सुधार होना बाकी है, जहां बिक्री महामारी पूर्व स्तर के मुकाबले 57 प्रतिशत पर थी। आरएआई ने कहा कि इस दौरान रेस्टोरेंट सेवाओं ने तेज सुधार दर्ज हुआ, जबकि सौंदर्य एवं देखभाल और परिधान खंड में सुधार आना बाकी है।

अधिक घरेलू स्टॉक होने की वजह पाम तेल आयात 43.55 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। अधिक घरेलू स्टॉक होने की वजह से भारत का पाम तेल आयात साल-दर-साल आधार पर 43.55 प्रतिशत घटकर जुलाई में 4.65 लाख टन रहा। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने इसकी जानकारी दी। दुनिया के प्रमुख वनस्पति तेल खरीदार भारत ने जुलाई, 2020 में 8.24 लाख टन पाम तेल का आयात किया था। देश का कुल वनस्पति तेल आयात साल 2021 जुलाई में 37 प्रतिशत घटकर 9.17 लाख टन रहा, जो एक साल पहले समान अवधि में 15.17 लाख टन था। देश के कुल वनस्पति तेल आयात में पाम तेल का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक है। एसईए के अनुसार, घरेलू बाजार में स्टॉक ज्यादा होने के कारण पिछले महीने की तुलना में आयात में कमी आई है। सरकार ने 30 जून को साल दिसंबर तक आरबीडी पामोलीन और पामतेल के अंकुश रहित आयात की अनुमति देने का फैसला किया, जिसके बारे में एसईए का मानना है कि यह कदम घरेलू रिफाइनिंग करने वाली कंपनियों और तिलहन उत्पादकों के हितों के खिलाफ होगा। इससे दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) समझौते के तहत नेपाल और बांग्लादेश से शून्य शुल्क पर रिफाइंड तेलों के आयात की बाढ़ आ जाएगी। एसईए के आंकड़ों के मुताबिक पाम तेल उत्पादों में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का आयात इस साल जुलाई में घटकर 4.51 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 8.20 लाख टन था। कच्चे पाम कर्नेल तेल (सीपीकेओ) का आयात भी इस अवधि में 4,800 टन से घटकर 250 टन रह गया। हालांकि, इस साल जुलाई में आरबीडी पामोलीन का आयात 13,895 टन रहा, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 'शून्य' रहा था। हल्के तेलों में सोयाबीन तेल का आयात जुलाई में घटकर 3.79 लाख टन रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 4.84 लाख टन था। वहीं सूरजमुखी तेल के आयात की खेप 2.08 लाख टन से घटकर 71,838 टन रह गई। एक अगस्त तक कुल 16.95 लाख टन खाद्य तेल का भंडार था,इसमें से 11.10 लाख टन पाइपलाइन में होने का अनुमान है।

नए रेकॉर्ड स्तर पर पहुंचा शेयर बाजार

सेंसेक्स 55,792 , निफ्टी 16,614 पर बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को उछाल के साथ ही नये रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी आईटी कंपनी इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर और टेक महिंद्रा के शेयरों में बढ़त के कारण आई है। इससे साथ ही सेंसेक्स नए रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान 55,854.88 अंक के अपने नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। बाद में सेंसेक्स 209.69 अंक करीब 0.38 फीसदी के लाभ से 55,792.27 अंक के अपने नए रेकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 51.55 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी के लाभ से 16,614.60 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक तीन फीसदी से ज्यादा ऊपर आया है। इसके अलावा टीसीएस, नेस्ले इंडिया, टाइटन, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर भी लाभ में रहे जबकि दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, टाटा स्टील और एलएंडटी के शेयरों में गिरावट आई। इससे पहले बुधवार शेयर बाजार की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आये हैं।गत सत्र में सेंसेक्स 145.29 अंक या 0.26 फीसदी बढ़कर 55,582.58 पर और निफ्टी 33.95 अंक या 0.21 फीसदी बढ़कर 16,563.05 पर बंद हुआ था।

वित्त मंत्री ने क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े विधेयक को लेकर कहा, मंत्रिमंडल की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली :

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वह क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े विधेयक को लेकर मंत्रिमंडल की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। प्रस्तावित विधेयक उसके सामने है। डिजिटल मुद्राओं से जुड़े मुद्दों का अध्ययन करने और विशिष्ट कार्यों का प्रस्ताव पेश करने के लिए आर्थिक मामलों के सचिव की अध्यक्षता में गठित क्रिप्टोकरेंसी संबंधित अंतर-मंत्रालयी पैनल ने अपनी रिपोर्ट पहले ही जमा कर दी है। रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि भारत में सरकार द्वारा जारी किसी भी डिजिटल मुद्रा को छोड़कर, अन्य सभी निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित कर दिया जाए। वित्त मंत्री ने यहां मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, क्रिप्टोकरेंसी (विधेयक) पर मंत्रिमंडल का नोट तैयार है। मैं मंत्रिमंडल से इसे मंजूरी देने का इंतजार कर रही हूं। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक ने सरकार को बाजार में प्रचलित क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी अपनी चिंताओं से अवगत कराया है।

पहली बार 13 लाख करोड़ के पार निकला टीसीएस का मार्केट कैप, रचा इतिहास

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने इतिहास रच डाला। मंगलवार के कारोबार में टीसीएस का शेयर नई ऊंचाई पर जा पहुंचा और कंपनी का मार्केट कैप पहली बार 13 लाख करोड़ रुपए की सीमा को पार निकल गया। टेक महिंद्रा, कोफोर्ज, टीसीएस, माइंडट्री, एमफैसिस में खरीदारी के कारण निफ्टी आईटी इंडेक्स एक फीसदी से अधिक उछला। मार्केट कैप के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी भारतीय कंपनी टीसीएस के शेयर एक फीसदी से अधिक पर कारोबार कर रहे हैं, जो बीएसई सेंसेक्स पर मंगलवार के शुरुआती कारोबार में 3,518 रुपए प्रति शेयर के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। इसी के साथ कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 13.01 लाख करोड़ रुपए हो गया। तेजी के इस माहौल दौर में टीसीएस और इंफोसिस जैसी बड़ी आईटी कंपनियां आगे चल रही हैं। निवेश विशेषज्ञ वीके विजयकुमार ने कहा निवेशकों को आईटी में भरोसा है, क्योंकि यह सेक्टर लगातार बढ़ रहा है। वृद्धि का यह क्रम अगले 3 से 4 साल तक चलने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि जून 2021 को समाप्त तिमाही के लिए, टीसीएस ने शुद्ध लाभ में 28.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की थी। एक साल पहले की तिमाही में कंपनी को 7,008 करोड़ रुपए की तुलना में 9,008 करोड़ रुपए का लाभ हुआ। जून तिमाही में परिचालन से कंपनी का राजस्व 18.5 फीसदी बढ़कर 45,411 करोड़ हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 38,322 करोड़ था। तिमाही के लिए डॉलर का राजस्व एक साल पहले के 21.6 फीसदी बढ़कर 6.15 बिलियन डॉलर हो गया, जिसे बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) और खुदरा ग्राहकों के नए ऑर्डर से मदद मिली।

चीन को मात देने की तैयारी, दीपावली पर मिट्टी के हुनरमंदों का लखनऊ में दिखेगा जलवा

लखनऊ।

चीन को मात देने के लिए इस बार तैयारी काफी तेज है। दीपावली के तीन दिन पहले इस बार भी नवाबों के शहर (लखनऊ) में मिट्टी में जान डालने वाले हुनरमंद कारीगरों का जलवा दिखेगा। इस दौरान प्रदेश के 150 से अधिक कारीगर अपने मिट्टी के उत्पादों की पूरी रेंज के साथ मौजूद रहेंगे। इनमें सभी जिलों का प्रतिनिधित्व रहेगा। इस बार भी दीपावली को खास और स्वदेशी बनाने के लिए इस प्रदर्शनी में लक्ष्मी-गणेश की बेहद खूबसूरत मूर्तियां, डिजाइनर दीयों के अलावा और भी बहुत कुछ उपलब्ध रहेगा। आपके नाते उन कारीगरों की भी दीपावली पिछली बार की तरह खास हो सकती है। प्रदर्शनी में माटीकला उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के साथ माटीकला / पॉटरी विकास योजना के तहत टेराकोटा-पॉटरी विधा पर तीन दिवसीय तकनीकी सेमिनार भी आयोजित होंगे। इनमें शीर्ष संस्थाओं के नामचीन विशेषज्ञ दूरदराज से आए कारीगरों को उनकी विधा की तकनीकी पहलुओं की जानकारी देंगे। इससे उनको अंतरराष्ट्रीय बाजार के मानकों के अनुसार प्रतियोगी दामों पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त आत्मनिर्भर भारत मुहिम के तहत दीपावली के अवसर पर प्रदेश के हर जिले में स्थानीय प्रशासन की मदद से वहां तीन दिवसीय माटीकला अस्थायी बिक्री केंद्र लगवाकर सभी माटीकला कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए कारीगरों को कोई शुल्क नहीं देना होगा। मालूम हो कि पिछले साल भी दीपावली के अवसर पर लखनऊ के डालीबाग स्थित खादी भवन में पहली बार इस तरह की प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। लखनऊ के लोगों ने इनके उत्पादों को हाथों-हाथ लिया था। रही-सही कसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरी कर दी थी। प्रदर्शनी के अंतिम दिन उन्होंने सभी कारीगरों को कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलाया। वहां न केवल उनके हुनर की तारीफ की, बल्कि उनका बचा हुआ माल मुंहमांगे दाम पर खरीदकर उनकी दीपावली को खास बना दिया। अपर मुख्य सचिव खादी नवनीत सहगल ने बताया, स्थानीय हुनर को संरक्षण और संवर्धन मुख्यमंत्री की मंशा है। एक जिला-एक उत्पाद, विश्वकर्मा श्रम सम्मान जैसी योजनाओं का भी यही मकसद है। मिट्टी को जीवंत करने वाले कारीगरों को संरक्षण एवं संवर्धन देने के लिए उनकी पहल पर प्रदेश में पहली बार माटीकला बोर्ड का गठन किया गया। इसके तहत इससे जुड़े कारीगरों को ट्रेनिंग से लेकर बाजार तक कि सुविधा मुहैया कराई जा रही है। दीपावली पर आयोजित होने वाली प्रदर्शनी का भी यही उद्देश्य है।

व्हाट्सएप भारत में नया पेमेंट फीचर लेकर आया

नई दिल्ली।

भारत में अपनी भुगतान सेवाओं की पेशकश को मजबूत करने के लिए इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने प्लेटफॉर्म पर पेमेंट्स बैकग्राउंड फीचर पेश किया है। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा, भारत के लिए निर्मित, यह नई सुविधा प्रासंगिक, सहज और यादगार है क्योंकि यह लोगों को पैसे भेजने के साथ-साथ भावनाओं को आसानी से व्यक्त करने में मदद करती है। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) पर नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के साथ साझेदारी में बनाया गया, व्हाट्सएप पर भुगतान सुविधा एक इंडिया फर्स्ट, रियल-टाइम भुगतान प्रणाली है जो 227 से अधिक बैंकों के साथ लेनदेन को सक्षम बनाती है। व्हाट्सएप पेमेंट्स के निदेशक मनेश महात्मे ने कहा, व्हाट्सएप एक सुरक्षित स्थान है जहां लोग अपने विचारों और भावनाओं को अपने दोस्तों और परिवार के साथ साझा करते हैं। भुगतान पृष्ठभूमि के साथ, हमारी कोशिश व्हाट्सएप के माध्यम से रोजमर्रा के भुगतानों में उत्साह लाना है और हमारे उपयोगकर्ताओं को खुद को व्यक्त करने में सक्षम बनाना है। अगर वे चाहें तो उत्सव, स्नेह, गर्मजोशी या मस्ती को दर्शाने वाले भावनात्मक विषयों की एक श्रृंखला के माध्यम से भी कर सकते हैं। उन्होंने आगे जोड़ा, हम मानते हैं कि पैसे भेजना और प्राप्त करना केवल एक लेन-देन से कहीं ज्यादा है। अक्सर, यह एक्सचेंजों के पीछे की कहानियां होती हैं जो अनमोल होती हैं। हम और अधिक सुविधाएं और कार्यक्षमता बनाने के लिए तत्पर हैं और व्हाट्सएप पर एक दिलचस्प और इंटरैक्टिव अनुभव का भुगतान करना जारी रखेंगे। भुगतान से जुड़ी बातचीत को अक्सर केवल लेन-देन के रूप में माना जाता है। कंपनी ने कहा कि व्हाट्सएप ने जन्मदिन, छुट्टियों या उपहार और यात्रा के लिए भुगतान भेजने के पूरक के लिए कलात्मक अभिव्यक्तियों की यह विषयगत श्रेणी बनाई है। व्हाट्सएप के अनुसार, इस फीचर अपडेट का मूल विचार यह है कि जब दोस्त और परिवार पैसे का आदान-प्रदान करते हैं तो अभिव्यक्ति का एक तत्व जोड़कर प्रेषक के साथ-साथ रिसीवर के लिए एक अधिक व्यक्तिगत अनुभव तैयार करना है। एक बयान में कहा गया है, चाहे दोस्त खाने के बाद बिल बांटना हो, अपने प्रियजनों को अपने प्यार की निशानी के रूप में पैसे भेजना हो या रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बहन को उपहार देना हो, भुगतान पृष्ठभूमि पैसे को व्यक्तिगत बनाती है और हर भुगतान के पीछे की कहानी को जीवंत करती है। व्हाट्सएप भारत में पहले से ही भीड़-भाड़ वाले ऑनलाइन भुगतान खंड में अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, जिसमें पेटीएम, गूगल पे, फोनपे, अमेजन पे सहित मजबूत पदाधिकारी पहले से ही अपनी स्थिति मजबूत कर चुके हैं।

जुलाई में खुदरा बिक्री महामारी से पहले के स्तर का 72 प्रतिशत रही

नई दिल्ली।

कई राज्यों में लॉकडाउन के धीरे-धीरे हटने के साथ, भारत में खुदरा बिक्री में सुधार हुआ है और जुलाई 2021 में, यह जुलाई 2019 के महामारी से पहले के स्तर के 72 प्रतिशत पर पहुंच गई है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के हालिया सर्वे में यह दावा किया गया है। जून में, खुदरा बिक्री पूर्व-महामारी के स्तर का 50 प्रतिशत थी। एक बयान में, खुदरा विक्रेताओं के निकाय ने उल्लेख किया कि भारत के दक्षिण हिस्से में खुदरा व्यवसायों ने जुलाई 2021 में पूर्व-महामारी के स्तर के 82 प्रतिशत की बिक्री के साथ बहुत तेज वापसी का संकेत दिया है। पश्चिमी क्षेत्र में अभी सुधार होना बाकी है और इसने पूर्व-महामारी के 57 प्रतिशत स्तर पर बिक्री का संकेत दिया है। सर्वे के बाद जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मुख्य रूप से महाराष्ट्र में लंबे समय तक प्रतिबंध के कारण है, जिसने राज्य में आधुनिक खुदरा के सुचारू कामकाज को बाधित किया है। श्रेणियों में, क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स (क्यूएसआर) ने जुलाई 2021 में महामारी से पहले के स्तर (जुलाई 2019) के 97 प्रतिशत की बिक्री के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। हालांकि, ब्यूटी एंड वेलनेस सेगमेंट, जिसमें सैलून शामिल हैं, अभी भी महामारी से पहले की बिक्री का 50 प्रतिशत हासिल कर पाया है, जबकि परिधान जुलाई 2021 में पूर्व-महामारी के स्तर की 63 प्रतिशत बिक्री पर है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के सीईओ कुमार राजगोपालन ने भारत में खुदरा उद्योग के दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए कहा, त्योहारों के मौसम के रूप में खुदरा व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण बिक्री में रिकवरी की संभावना है, बशर्ते देश भर में आधुनिक रिटेल पर प्रतिबंधों में ढील दी जाए और सुचारू संचालन और सामान्य स्थिति में लौटने की अनुमति दी जाए। उद्योग निकाय ने उल्लेख किया कि खुदरा रोजगार सृजन के मामले में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करने के अलावा कृषि के बाद दूसरे स्थान पर है। रिटेल के खुलने से व्यवसायों को रिकवरी का मौका मिलेगा, जिससे रिटेल इकोसिस्टम पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका बचेगी।

सऊदी अरामको-आरआईएल सौदे की बातचीत उन्नत चरण में, जल्द बंद होने के आसार

नई दिल्ली।

सऊदी अरामको और रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के बीच आरआईएल के तेल-से-रसायनिक कारोबार में सऊदी तेल प्रमुख की हिस्सेदारी खरीद के लिए बातचीत एक उन्नत चरण में है और आने वाले हफ्तों में समाप्त हो सकती है। अरामको रिलायंस की इकाई में करीब 20 से 25 अरब डॉलर में करीब 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने पर चर्चा कर रही है। इस मामले पर आरआईएल की ओर से एक प्रश्न का उत्तर नहीं मिला, जबकि अरामको को भेजी गई मेल कहानी के दाखिल होने तक अनुत्तरित रही। रिपोर्ट के बाद, बीएसई पर आरआईएल के शेयरों में तेजी आई। दोपहर लगभग 2.40 बजे, बीएसई पर आरआईएल के शेयर 2,178.50 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जो पिछले बंद से 33.75 रुपये या 1.57 प्रतिशत अधिक था। आरआईएल के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने आरआईएल की 44वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आवश्यक नियामक मंजूरी प्राप्त करने के बाद, सऊदी अरामको के साथ आरआईएल की साझेदारी को इस वर्ष के दौरान शीघ्र तरीके से औपचारिक रूप दिया जाएगा। अरामको के अध्यक्ष यासिर अल रुमायन को 19 जुलाई से आरआईएल के एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। अंबानी ने कहा था कि रुमायन का बोर्ड में शामिल होना भी रिलायंस के अंतर्राष्ट्रीयकरण की शुरुआत है और आने वाले समय में कंपनी की अंतर्राष्ट्रीय योजनाओं पर और घोषणाएं की जाएंगी।

सरकार ने हरित ऊर्जा के लिए मसौदा मानदंड जारी किए

मुंबई।

भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों से एक कदम आगे बढ़ते हुए ऊर्जा मंत्रालय ने हरित ऊर्जा के लिए मसौदा मानदंड जारी किए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्रालय ने मसौदा बिजली (हरित ऊर्जा ओपन एक्सेस के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना) नियम, 2021 को परिचालित किया है और 30 दिनों के भीतर इस पर टिप्पणी मांगी है। ये नियम अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्रों से ऊर्जा सहित हरित ऊर्जा की खरीद और खपत के लिए प्रस्तावित हैं। मसौदा नियमों में अक्षय खरीद दायित्व (आरपीओ), हरित ऊर्जा खुली पहुंच, नोडल एजेंसियां, हरित ऊर्जा खुली पहुंच, बैंकिंग और क्रॉस सब्सिडी अधिभार देने की प्रक्रिया शामिल है। टैरिफ के संबंध में प्रस्ताव किया गया है कि हरित ऊर्जा के लिए टैरिफ उपयुक्त आयोग द्वारा निर्धारित किया जाएगा, जिसमें अक्षय ऊर्जा की औसत पूल्ड बिजली खरीद लागत, क्रॉस-सब्सिडी शुल्क (यदि कोई हो), और सेवा शुल्क शामिल हो सकते हैं। हरित ऊर्जा प्रदान करने के लिए वितरण लाइसेंसधारी की सभी विवेकपूर्ण लागतों को कवर किया जाएगा। ग्रीन हाइड्रोजन स्टेट ग्रीन हाइड्रोजन के बारे में प्रस्तावित नियम अक्षय स्रोतों से बिजली का उपयोग कर हाइड्रोजन उत्पादित करने का है और उद्योगों सहित अन्य इकाई भी इसे खरीदकर अपने आरपीओ को पूरा कर सकती है। हरित हाइड्रोजन की मात्रा की गणना अक्षय स्रोतों या इसके गुणकों से एक मेगावाट बिजली से उत्पादित हरित हाइड्रोजन की तुल्यता पर विचार करके की जाएगी। मानदंड केंद्रीय आयोग द्वारा अधिसूचित किए जाएंगे। ये मसौदा नियम हरित ऊर्जा की खुली पहुंच के लिए दिशा-निर्देश भी प्रस्तावित करते हैं, जिसमें कहा गया है कि उपयुक्त आयोग इस नियम के अनुसार नियम बनाएगा, ताकि हरित ऊर्जा का उपभोग करने के इच्छुक उपभोक्ताओं को हरित ऊर्जा की खुली पहुंच प्रदान की जा सके। खुली पहुंच के लिए सभी आवेदन हरित ऊर्जा अधिकतम 15 दिनों के भीतर प्रदान की जाएगी।

झारखंड के किसानों को नई पहचान देगा बिरसा किसान

रांची।

झारखंड सरकार ने अब किसानों को नई पहचान देने की पहल प्रारंभ की है, जिससे किसानों को कृषि योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके तथा गरीब किसान सरकारी योजनाओं से जुड़ भी सकें। सरकार झारखंड के करीब 58 लाख किसानों को कृषि विभाग पारदर्शिता के साथ बिरसा किसान के रूप में पहचान देने के कार्य को मूर्त रूप देने में जुट गया है। कृषि विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बिरसा किसान के तहत किसानों को एक यूनिक आईडी के साथ पंजीकृत किया जाएगा, जिसमें आधार कार्ड, मोबाइल और बचत खाता संख्या (डीबीटी के लिए) अनिवार्य होंगे। किसानों का प्रज्ञा केंद्रों में ई-केवाईसी किया जाएगा, जिसमें केवल आधार संख्या वाले प्रामाणिक किसान ही पंजीकृत हो सकेंगे। उसके बाद भूमि विवरण इंटरफेस के माध्यम से राजस्व विभाग के डेटाबेस से प्राप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए जारी होनेवाले विशिष्ट आईडी कार्ड में एक बारकोड होगा। विशिष्ट आईडी का उपयोग किसानों की पहचान के रूप में किया जाएगा। इस संख्या का उपयोग जिला कृषि पदाधिकारियों एवं अन्य द्वारा विभिन्न योजनाओं जैसे, बीज, कृषि उपकरण के तहत किसानों को लाभान्वित करने के लिए होगा। बारकोड किसानों को विभिन्न योजनाओं के तहत दिए जाने वाले लाभों की जानकारी संग्रहित करेगा। यह जानकारी भी अलग से एक सर्वर में अपलोड और स्टोर की जाएगी। सरकार का मानना है कि बिरसा किसान से किसान की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि इस प्रक्रिया में बिचौलियों की भूमिका और फर्जी तरीके से लाभ उठा रहे लोगों की पहचान भी की जाएगी। किसानों को योजना का लाभ देने से पूर्व जिला कृषि अधिकारी द्वारा जांच की जाएगी कि किसान को वर्तमान या पिछले वर्षों में योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है या नहीं। इस प्रकार एक डेटाबेस किसानों का बनाया जाएगा। यह काम चरणवार किया जाएगा। कृषि विभाग की निदेशक निशा उरांव का कहना है कि बिरसा किसान का उद्देश्य राज्य के किसानों को लाभ प्रदान करना है। राज्य के किसानों को सशक्त और उन्नत बनाने के लिए डेटाबेस बनाने के लिए जानकारी एकत्र करने पर काम कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एएफसी कप ओपनर में भिड़ेंगे एटीकेएमबी, बेंगलुरू एफसी

माले (मालदीव)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के उपविजेता एटीके मोहन बागान (एटीकेएमबी) बुधवार को मालदीव के माले में नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में ग्रुप डी (दक्षिण क्षेत्र) में अपने शुरूआती एएफसी कप मैच में साथी आईएसएल क्लब बेंगलुरु एफसी से भिड़ेंगे। एटीके मोहन बागान 2020/21 आईएसएल में फाइनलिस्ट थे, जबकि बेंगलुरु एफसी अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहा था। इन टीमों ने पिछले सीजन में दो बार खेला है। एटीकेएमबी 1-0 और 2-0 से जीत के साथ शीर्ष पर रही थी। इतना ही नहीं, रविवार को अपने प्ले-ऑफ मैच में मालदीव के क्लब ईगल्स पर जीत के बाद जयेश राणे की पहली हाफ स्ट्राइक की बदौलत बेंगलुरु एफसी ने छठी बार एएफसी कप ग्रुप चरण में जगह बनाई, ऐसे में निश्चित रूप से अनुभव उनके पक्ष में है। आईएसएल में अपनी पिछली मुलाकात के बाद से दोनों टीमों में कर्मियों के मामले में काफी बदलाव आया है। एटीकेएमबी ने छह नए खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा है, जबकि बेंगलुरू एफसी ने नौ नए खिलाड़ियों के साथ-साथ मार्को पेजैउओली के रूप में एक नया मुख्य कोच हासिल किया है। कागज पर, एटीके मोहन बागान के पास एक मजबूत टीम है क्योंकि उनके पास रॉय कृष्णा, डेविड विलियम्स, नए हस्ताक्षर वाले ह्यूगो बौमस और कार्ल मैकहुग जैसे खिलाड़ी हैं - जो आईएसएल में सभी अनुभवी कलाकार हैं।

सचिन ने भारतीय पेस अटैक को बताया सर्वश्रेष्ठ

स्पोर्ट्स डेस्क।

भारतीय टीम ने लॉर्ड्स के मैदान पर जिस तरह से खेल दिखाया है उससे काफी खुश हैं। सचिन ने इसके साथ ही भारतीय बल्लेबाजों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कमजोर बल्लेबाजी के कारण रूट ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया होगा। तेंदुलकर ने रोहित शर्मा की बल्लेबाजी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मैंने जो कुछ भी देखा है, मुझे लगता है, उसने सुधार किया है और अपने खेल के दूसरे पक्ष को दिखाया है कि वह कैसे बदलाव कर परिस्थिति के अनुसार खेल सकता है। रोहित इस दौरे पर गैर जिम्मेदाराना तरीके से अपना पसंदीदा हुक और पुल शॉट खेलकर आउट हो गए। लेकिन तेंदुलकर ने उनका बचाव करते हुए कहा कि उसने एक नेतृत्वकर्ता की तरह लोकेश राहुल का शानदार सहयोग दिया है। जहां तक पुल शॉट खेलने की बात है तो उन्होंने उस शॉट से कई बार गेंद को बाउंड्री के पार भेजा है और मैं यह देख रहा हूं कि उसने दोनों टेस्ट में टीम के लिए क्या हासिल किया है। उपकप्तान अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा ने दूसरी पारी शतकीय साझेदारी करके भारत को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। उन्होंने हालांकि इस दौरान काफी धीमी बल्लेबाजी की।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि जब वे क्रीज पर आए तो 28 रन पर 3 विकेट गिर गए थे। यह देखते हुए उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अगर हम 60 रन तक 5 विकेट गंवा देते तो मैच पूरी तरह से बदल जाता। उन्होंने पारी संवारने में अपनी भूमिका निभाई।

भारतीय कप्तान विराट कोहली की खराब फॉर्म के बारे में पूछे जाने पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का शतक लगाने वाले तेंदुलकर ने कहा कि विराट की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कई बार दिमाग में चल रही चीजों से तकनीकी गलतियां हो सकती है। जब आपको अच्छी शुरुआत नहीं मिलती है तो आप बहुत सी चीजों के बारे में सोचना शुरू कर देते हैं। ऐसी परिस्थिति में चिंता का स्तर अधिक होता है, इसलिए आप अपने खेल से खराब पारियों की भरपाई करना चाहते है। ऐसा सबके साथ होता है। भारतीय टीम की मौजूदा तेज गेंदबाजी से कपिल देव, जवागल श्रीनाथ और जहीर खान के दौर की गेंदबाजी से तुलना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आज यह गेंदबाजी आक्रमण दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। यह प्रतिभा, अनुशासन और फिटनेस पर कड़ी मेहनत और अधिक सीखने की इच्छा को दर्शाता है। मुझे दूसरे युग से तुलना करना पसंद नहीं है क्योंकि गेंदबाजी आक्रमण को भी बल्लेबाजों द्वारा आंका जाना चाहिए जो उनके खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे हैं। कपिल या श्रीनाथ या जहीर की पीढ़ी के दौरान, उनके सामने अलग-अलग बल्लेबाज थे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में निराशाजनक गेंदबाजी के बाद लय हासिल करने वाले जसप्रीत बुमराह के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले बुमराह को लंबे स्पैल का पर्याप्त अभ्यास नहीं मिला था। वह उस तरह का गेंदबाज है जो जितना अधिक गेंदबाजी करेगा उतना ही बेहतर होगा।

पुरूष और महिला हॉकी टीमों का भुवनेश्वर पहुंचने पर भव्य स्वागत

भुवनेश्वर ।

टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार उड़ीसा पहुंची भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमों का यहां शानदार स्वागत हुआ। भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर दोनों टीमों का स्वागत करने के लिये प्रदेश के खेलमंत्री टी के बहेड़ा और पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की उपस्थित थे। खिलाड़ियों को दो अलग अलग बसों से होटल ले जाया गया जहां आराम करने के बाद वे अभिनंदन समारोह में शामिल होंगे। इस समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी इन खिलाड़ियों से मिलेंगे। कार्यक्रम के अनुसार टीम होटल में लंच करेगी और फिर कलिंगा स्टेडियम रवाना होगी। कलिंगा स्टेडियम पर दोनों टीमों का मुख्यमंत्री के साथ एक फोटो सत्र होगा। इसके बाद लोकसेवा भवन में पटनायक दोनो ही टीमों को सम्मानित करेंगे। कलिंगा स्टेडियम पर डिनर में दोनों टीमों के साथ मुख्यमंत्री भी होंगे। ओलंपिक टीम का स्वागत करने के लिये पूरे शहर में लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। खिलाड़ियों के लिए पोस्टर, बैनर और होर्डिंग लगाये गए थे। इसके साथ ही शंखनाद, फूलमालाओं और टीका लगाकर भी खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। इसके अलावा ओडिशा के पारंपरिक और लोक नृत्य समूहों ने कार्यक्रम भी पेश किये। शहर के लोग भी सड़कों के दोनों ओर खिलाड़ियों के स्वागत के लिये जमा थे। गौरतलब है कि ओडिशा सरकार साल 2018 से ही भारतीय हॉकी टीमों की आधिकारिक प्रायोजक रही है।

मेस्सी के अलग होने के बाद बार्सीलोना ने जीत से किया सत्र का आगाज

मैड्रिड । 17 साल में पहली बार दिग्गज लियोनेल मेस्सी के बिना सत्र का आगाज करते हुए बार्सीलोना ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में रीयाल सोसिदाद को 4-2 से हराया। मैच के दौरान हालांकि बार्सीलोना के प्रशंसक मेस्सी के नाम का नारा लगा रहे थे। खेल के 10वें मिनट में दर्शकों का शोर सबसे ज्यादा था, यह इस बात का संकेत था कि मेस्सी बार्सीलोना के लिए 10 नंबर की जर्सी पहनते थे। बड़ी संख्या में दर्शक यहां मेस्सी के नाम की जर्सी के साथ पहुंचे थे जबकि कुछ बैनर पर संदेश लिख कर उन्हें सम्मान दे रहे थे। बार्सीलोना के लिए मार्टिन ब्रैथवेट ने दो जबकि गेरार्ड पिक और सर्जियो रोबर्टो ने एक-एक गोल किए। सोसिदाद के लिए जूलेन लोबेटे और मिखेल ओयार्जाबल ने गोल दागे। लीग के अन्य मुकाबलों में गत चैम्पियन एटलेटिको मैड्रिड ने सेल्टा विगो पर 2-1 जबकि सेविल्ला ने रायो वालेकाने को 3-0 से शिकस्त दी।

ओलंपिक के बाद मीराबाई चानू की निगाह एशियाई खेलों के पदक पर

नयी दिल्ली,

ओलंपिक रजत पदक विजेता एस मीराबाई चानू ने मंगलवार को कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2022 एशियाई खेलों में पदक जीतना है और वह तीन साल में होने वाले पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना चाहती हैं। चानू ने तोक्यो खेलों में 49 किग्रा में रजत पदक जीतकर भारत का भारोत्तोलन में पदक जीतने का दो दशक से अधिक समय का इंतजार समाप्त किया था। स्वदेश लौटने के बाद चानू की निगाह अब एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर है जो वह अभी तक नहीं जीत पायी हैं। चानू ने एमवे न्यूट्रालाइट का ब्रांड एंबेसडर बनने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मेरा लक्ष्य अब एशियाई खेल हैं। मैं एशियाई खेल 2022 में भारत के लिये पदक जीतने के लिये अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी। '' उन्होंने कहा, ''इसके बाद 2024 (पेरिस ओलंपिक) में मैं इस रजत पदक को स्वर्ण पदक में बदलने की कोशिश करूंगी।'' चानू ने राष्ट्रमंडल खेल 2014 और 2018 में क्रमशः रजत और स्वर्ण पदक जीता था। इस बीच उन्होंने 2017 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब भी हासिल किया था। उन्होंने 2020 एशियाई चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक जीता था लेकिन अभी तक वह एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी है। मणिपुर की यह 27 वर्षीय खिलाड़ी पीठ दर्द के कारण एशियाई खेल 2018 से हट गयी थी। चानू ने अपनी सफलता में कोच विजय शर्मा के योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''मैं उनके योगदान के बारे में जितना कहूंगी वह कम ही होगा। जब भी मेरा अभ्यास अच्छा नहीं रहा या मैं चोटिल रही तब उन्होंने मेरा साथ दिया। उन्होंने हमेशा मुझे प्रेरित किया।''

संक्षिप्त समाचार

कुश्तीः बालियान और दीपक जूनियर विश्व चैम्पयिनशिप के सेमीफाइनल में हारे

उफा (रूस) । पहलवान गौरव बालियान (79 किग्रा) और दीपक (97 किग्रा) को सोमवार को यहां जूनियर विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे ये दोनों अब कांस्य पदक के मुकाबले के लिए चुनौती पेश करेंगे। शुभम (57 किग्रा) और रोहित (65 किग्रा) भी रेपेचेज के जरिए कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे क्योंकि इन्हें हराने वाले पहलवानों ने फाइनल में जगह बनाई। पिछले साल 74 किग्रा वर्ग ट्रायल में सीनियर भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए दावा पेश करने वाले बालियान को अपने पहले दो प्रतिद्वंद्वियों को हराने में कोई परेशानी नहीं हुई लेकिन सेमीफाइनल में ईरान के मोहम्मद अशगर नोखोदिलारिमी ने उन्हें तकनीकी दक्षता के आधार पर हरा दिया। नोखोदिलारिमी ने इस साल जून में यासर दोगु में सीनियर विश्व खिताब जीता था। बालियान ने पहले मुकाबले में दो बार चार-चार अंक के साथ ताजिकिस्तान के अबुबाकर शुकुरोव को तकनीकी दक्षता के आधार पर हराया। इस भारतीय पहलवान ने इसके बाद क्वार्टर फाइनल में रूस के अलिक बादतीव को 5-2 से शिकस्त दी। दूसरी तरफ दीपक ने अपने अभियान की शुरुआत बेलारूस के एलियाकसेई के खिलाफ 5-1 की जीत के साथ की और फिर जॉर्जिया के लुका खुतचुआ को 9-4 से हराया। सेमीफाइनल में वह हालांकि अमेरिका के ब्रेक्सटन जेम्स एमोस के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 1-9 से हार गए। एमोस ग्रीको रोमन छोड़कर फ्रीस्टाइल में आए हैं। शुभम को हालांकि 57 किग्रा वर्ग में रूस के रमजान बगावुदिनोव के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में शिकस्त झेलनी पड़ी। बगावुदिनोव के फाइनल में जगह बनाने के बाद शुभम को रेपेचेज के जरिए कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करने का मौका मिलेगा।

अदिति अशोक ने महिला ब्रिटिश ओपन के लिए किया क्वालीफाई

मुंबई। भारत की अदिति अशोक ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला ब्रिटिश ओपन के लिए क्वालीफाई किया, जो स्कॉटलैंड के कानरस्टी लिंक्स में 19-22 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। अदिति, जो अंतिम कुछ होल तक पदक की दौड़ में रहने के बाद टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही, 18 घंटे के पनमुरे गोल्फ क्लब में दो अंडर 68 का कार्ड बनाकर क्वालीफाइंग स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रही। अदिति ब्रिटिश ओपन में अपनी पांचवीं उपस्थिति दर्ज करेंगी। ओलंपिक से पहले विश्व रैंकिंग में 200वें स्थान पर रहीं अदिति टोक्यो में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद वैश्विक महिला गोल्फिंग चार्ट में 157वें स्थान पर पहुंच गई हैं। महिला ब्रिटिश ओपन में टोक्यो दौड़ की पुनरावृत्ति उन्हें रैंकिंग में उच्च स्तर पर पहुंचाएगी और नियमित रूप से एलपीजीए टूर में खेलने की उनकी संभावनाओं में सुधार करेगी।

ओलंपिक में मिली हार से सीखा सबक, कमजोरियों पर शुरू कर दिया है काम : मुक्केबाज आशीष

नई दिल्ली ।

भारतीय मुक्केबाज आशीष कुमार (75 किग्रा) हिमाचल के अपने गृह नगर सुंदर नगर में उतरते ही सबसे पहले मुक्केबाजी अकादमी गए, जहां वह प्रशिक्षण लेते थे और टोक्यो ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के लिए माफी मांगी। आशीष की पहली ओलंपिक उपस्थिति चीन के एर्बीके तौहेता से पहले दौर की हार के साथ समाप्त हुई थी। आशीष ने कहा, मुझे बुरा लगा कि मैं टोक्यो में प्रदर्शन करने में विफल रहा। लेकिन मैं अपने नियमित प्रशिक्षण पर वापस आ गया हूं और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए खुद को तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा हूं। मेरा लक्ष्य अभी अक्टूबर में विश्व चैंपियनशिप है। उन्होंने कहा, मैं ओपनिंग बाउट में हार गया था इसलिए ... यह वास्तव में दर्दनाक था। लेकिन हां, ओलंपिक में होना अपने आप में एक बड़ी बात है और उम्मीद है कि अगली बार, मैं भी पदक जीतूंगा। अगर मैं अपने बाउट के बारे में बात करता हूं तो मैं बहुत अच्छा था। आक्रमण, बचाव अच्छा नहीं था, इसलिए मैं हार गया। सबक अब सीखा और कमजोरियों पर काम करना शुरू कर दिया है। इस 27 वर्षीय पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता ने आगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने और लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने की खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह कुछ ऐसा है जो एथलीटों को प्रेरित करता है। इस तरह की मान्यता बहुत मददगार है। मैं सरकार को हमारा समर्थन करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब कड़ी मेहनत करूंगा और अपने देश को गौरवान्वित करूंगा।

भारत में हॉकी का भविष्य उज्जवल है : मनप्रीत

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि भारत में हॉकी का भविष्य काफी उज्जवल है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 41 साल के अंतराल के बाद टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक जीता था। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के सम्मान समारोह में भाग लेने के लिए यहां आई हुई है। मनप्रीत ने कहा, 2008 में हम लोग ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर सके थे, लेकिन हालात कुछ वर्षों में बदल गए और उसका नतीजा दिख रहा है। भारत ने अब विश्व रैंकिंग में अपने स्थान में भी सुधार किया है। उन्होंने कहा, हां, यह सही है कि हमने यहां पहुंचने में काफी समय लिया। लेकिन अब हमें उस तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर और सहायता मिली जो बेस्ट एथलीट्स के लिए जरूरी है। हमारे देश में हॉकी का भविष्य उज्जवल है। मनप्रीत ने साथ ही कहा कि टीम का ध्यान अब एशिया खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों पर केंद्रित है। भारतीय कप्तान ने कहा, हम टोक्यो में किए गए अपने प्रदर्शन का विशलेषण करेंगे और जहां भी सुधार की जरूरत होगी वहां सुधार कर लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहेंगे। ओडिशा में उनके अनुभव के बारे में पूछे जाने पर मनप्रीत ने कहा, हम लोगों को पिछली बार भुवनेश्वर में विश्व कप के दौरान ओडिशा से काफी प्यार मिला था। इससे हम सभी को काफी बूस्ट मिला। उन्होंने उम्मीद जताई की पटनायक अगले पांच-10 साल तक टीम को स्पॉन्सर करना जारी रखेंगे। इस बीच, भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने सझाव देते हुए कहा कि हॉकी सहित सभी खेलों को स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए जिससे भविष्य में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी निकल सकें।भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने भी कहा कि उनकी टीम अब आने वाले टूर्नामेंटों के लिए तैयारी कर रही है। रानी ने पुरुष और महिला टीमों के लिए हॉकी लीग कराने की सिफारिश भी की जिससे खिलाड़ियों का प्रदर्शन और बेहतर हो सके। रानी ने कहा, हमने अपने साइंटिफिक सलाहकार के साथ ओलंपिक से पहले अपनी फिटनेस में सुधारने के लिए काफी मेहनत की थी।

हैती भूकंप पीड़ितों की मदद करेगी ओसाका, दान देंगी सिनसिनाटी में अपनी ईनामी राशि

मेसन । जापान की टेनिस स्टार नाओमी ओसाका ने कहा है कि वह सिनसिनाटी ओपन में अपनी पुरस्कार राशि हैती के भूकंप पीड़ितों को दान देंगी। उन्होंने सोमवार को कहा, 'मुझे लगता है कि मैं उतना नहीं कर पा रही हूं। मैं सोच रही हूं कि और क्या कर सकती हूं। सबसे पहले तो पुरस्कार राशि दूंगी ताकि लोगों में जागरूकता पैदा हो। इसीलिए मैने इसकी घोषणा की है। हैती में आए विनाशकारी भूकंप से अब तक करीब 1400 लोग मारे जा चुके हैं। ओसाका के पिता हैती के हैं और मां जापानी हैं। उन्हें सिनसिनाटी ओपन में पहले दौर में बाइ मिला है। अब उनका सामना कोको गॉ और क्वालीफायर सियेह सु वेइ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

अफगानिस्तान में मौजूदा हालात पर ICC की नजर, लिसा स्टालेकर चिंतित

दुबई ।

अफगानिस्तान में मौजूदा हालातों पर पूरी दुनिया में हलचल है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भी क्रिकेट के लिहाज से इस मामले पर नजर बनाए हुए है। समझा जाता है कि दुबई स्थित आईसीसी कार्यालय काबुल में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सदस्यों के साथ देश में हो रहे परिवर्तनों के प्रभाव को पूरी तरह से समझने के लिए लगातार संपर्क में है। इन हालातों के बीच एसीबी के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक देश में महिला क्रिकेट को बनाए रखना हो सकता है जो हाल के दिनों में मजबूत होता गया है। उल्लेखनीय है कि 2020 में अफगानिस्तान की 25 महिला खिलाड़ियों को पहली बार केंद्रीय अनुबंध से पुरस्कृत किया गया था। इससे पहले एक राष्ट्रीय महिला टीम के गठन के लिए सभी अड़चनों को दूर किया गया था। प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए महिला क्रिकेटरों के लिए कौशल आधारित शिविरों का भी आयोजन किया गया था। आईसीसी महिला क्रिकेट से संबंधित एक सूत्र ने कहा कि यह एक बड़ा विकास था। हम नहीं जानते अब क्या होगा। वहीं एसीबी ने खुद स्वीकार किया है कि आईसीसी के पूर्ण सदस्य के रूप में अपनी खुद की एक राष्ट्रीय महिला टीम की आवश्यकता है, लेकिन आने वाले समय में उनके प्रयासों का क्या होगा, इसके बारे में बहुत अनिश्चितता है। आईसीसी महिला क्रिकेट समिति की सदस्य लिसा स्टालेकर ने कहा कि अफगानिस्तान में महिला क्रिकेट को लेकर क्या हो रहा है, इस बारे में मैंने आईसीसी से कुछ नहीं सुना है, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मैं इस बात से चिंतित हूं कि वहां क्या हो रहा है। एसीबी के पूर्व सीईओ शफीकुल्लाह स्टानिकजई, जिनकी मौजूदगी में अफगानिस्तान ने 2017 में आईसीसी की पूर्ण सदस्यता प्राप्त की थी ने एक बयान में कहा कि विनाशकारी भू-राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद देश का क्रिकेट समुदाय खेल के भविष्य को लेकर आशावादी है। अफगानिस्तान में क्रिकेट की शुरुआत शरणार्थी शिविरों से हुई और हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। बहुत सीमित संसाधनों के साथ हम पूर्ण सदस्यता के लिए अपने रास्ते पर चढ़ गए हैं। मैं उम्मीद और प्रार्थना करता हूं कि अफगानिस्तान में क्रिकेट का विकास जारी रहे। हमारे लिए यह खेल, खेल से परे है। क्रिकेट ने हमें दुनिया भर में अफगानों की छवि को आशावादी बनाने वाली एक पहचान दी है। क्रिकेट के माध्यम से हमने वैश्विक समुदाय को अपनी प्रतिभा और अफगान युवाओं में निवेश करने के लिए राजी किया। मुझे आशा है कि यह जारी रहेगा।

उम्मीद है कि आईपीएल में दर्शकों को शामिल होने की इजाजत दी जाएगी : बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अगले महीने 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आईपीएल के दूसरे चरण में दर्शकों को शामिल करने पर कोई दिक्कत नहीं है। इससे पहले अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के महासचिव मुबाशिर उस्मानी ने कहा था कि बोर्ड बीसीसीआई और यूएई सरकार के साथ स्टेडियम में दर्शकों को शामिल करने को लेकर चर्चा करेगा। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने कहा है कि बोर्ड दर्शकों को देखना पसंद करेगा लेकिन तब जब इससे खिलाड़ियों और लोगों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं पहुंचेगा। धूमल ने आईएएनएस से कहा, हम इस बारे में काम कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि यूएई सरकार दर्शकों को शामिल होने की मंजूरी देगी क्योंकि यहां वैक्सिनेशन हो चुका है। देखते हैं क्या होता है। उम्मीद करते हैं कि दर्शकों को शामिल होने की मंजूरी मिलेगी। शेष यूएई सरकार पर निर्भर करता है। रिपोर्ट के अनुसार, यूएई सरकार ने आईपीएल के शेष मुकाबलों के दौरान 60 फीसदी दर्शकों को शामिल करने के लिए हरी झंडी दे दी है। धूमल ने कहा कि आईपीएल 2022 में दो नई टीमें शामिल होंगी। उन्होंने कहा, सभी अब आईपीएल को देखते हैं। हमें भरोसा है कि यह यूएई में भी उत्साहित टूर्नामेंट है। यह आखिरी सीजन है जहां आईपीएल में आठ टीमें होंगी। संभव है कि अगली बार से इसमें 10 टीमें होंगी। हम इस बारे में काम कर रहे हैं। नई टीमों के बारे में विस्तार से पूछे जाने को लेकर बीसीसीआई कोषाध्यक्ष ने टिप्पणी करने से मना कर दिया। धूमल ने भारत को लॉर्ड्स मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत पर संतोष व्यक्त किया।

इंटरव्यू के दौरान इन बातों पर ध्यान दें

कभी-कभी हमें लगता है कि इंटरव्यू तो ठीक-ठाक हो गया था, मगर फिर भी हमारा चयन नहीं हुआ। देखते हैं, इंटरव्यू बोर्ड के सामने बैठ कर आपको किन-किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

स्किल टैस्ट

जब आपको साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है तो माना जाता है कि आपने जो तथ्य रेज्यूमे में दिए हैं, वे सही हैं। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप अपनी स्किल्स को कैसे पेश करते हैं।

इंटरपर्सनल स्किल्स

इंटरव्यू बोर्ड जानता है कि उसका अपने परिवार से भी ज्यादा वक्त आपके साथ मिलने-जुलने में बीतेगा, इसलिए वह यह जानना चाहेगा कि आपका दूसरे कर्मियों के साथ व्यवहार कैसा रहेगा। टीम के साथ आपका योगदान कैसा होगा। कंपनी के माहौल में आप कितने समय में खुद को सहज महसूस कर पाएंगे। इसीलिए जब भी आपकी इंटरपर्सनल स्किल्स की बात आए तो आप फ्रेंडली नजर आएं।

पैकेज पर बात

एक्सपर्ट यह जानना चाहते हैं कि क्या वे आपको कंपनी के लिए नियुक्त कर पाएंगे। अगर आप आवेदन किए हुए पद के हिसाब से कम पैकेज पा रहे हैं तो मैनेजर को आप की योग्यता पर भी शक हो सकता है, इसलिए पैकेज से संबंधित प्रश्न को समझदारी से सुलझाएं।

अधिक योग्य होना

पद से अधिक योग्य होने की स्थिति में बोर्ड को यह संदेह रहेगा कि कहीं आप कार्यस्थल में ऊब न महसूस करने लगें। वहीं सेलरी के लिए आपकी उम्मीदों पर भी उसे सोचना होगा। इसलिए अगर आप किसी विशेष संस्थान में काम करने के इच्छुक हैं तो ऐसी स्थिति में अपनी रुचि को जरूर सामने रखें, जिसके चलते आप कम वेतन में काम करने के लिए राजी हो रहे हैं।

सच्चाई पर बने रहें

जब भी प्रश्न आपकी कमजोरी व ताकत पर पूछे जाएं तो उतर सोच-समझ कर दें। ध्यान रहे, वे अब तक बहुत से लोगों का साक्षात्कार ले चुके हैं और उनके लिए ऐसे सवाल- जवाब कोई नई बात नहीं हैं।

जानिए, कैसा करियर ऑप्शन है पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

पिछले कुछ दशकों से पेट्रोलियम इंजीनियर की काफी मांग है क्योंकि धरती के अंदर तमाम जगहों पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैसों का खजाना ढूंढा जा रहा है. कुछ वर्षों बाद हम इस बात की तहकीकात जरुर करेंगे कि किस तरह तेल और गैस का कोई और विकल्प हमारे पास हो लेकिन यह काम कम से कम 2014 में नहीं होगा.भारत में भी कई कंपनियां समुद्र के नीचे से पेट्रोलियम निकालने के काम में आगे आई हैं. मालूम हो कि इस पेशे में ग्रोथ के काफी आसार हैं क्योंकि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है और लोगों को ईंधन की अधिक आवश्यकता है.

शिक्षा- इस फील्ड में वही लोग आगे बढ़ सकते हैं जिन्होंने इंजीनियरिंग, खासकर पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की हो. इस फील्ड में इंट्री बैचलर डिग्री के बाद हो सकती है. हालांकि जो लोग उच्च अध्ययन या शोध करने के इच्छुक हैं, वे मास्टर डिग्री हासिल कर सकते हैं.

एडवरटाइजिंग यानी विज्ञापन की दुनिया आपको करियर की वह ऊंचाइयां दे सकती हैं, जो शायद ही आपकी कल्पना में हो. इसमें चाहिए हुनर- बीस सेकेंड का एक असरदार विज्ञापन किसी भी प्रोडक्ट को आसानी से बेच सकता है, लेकिन उस बीस सेकेंड में उस प्रोडक्ट के बारे में सबकुछ कह देना कतई आसान नहीं होता.

लुभा रहा है एडवरटाइजिंग का आकर्षण

यदि आपमें क्रिएटिविटी है, किसी भी चीज के बारे में आप अलग ढंग से सोचने की काबिलियत रखते हैं, आपको कम शब्दों में बड़ी से बड़ी बात कहने की कला आती है, तो एडवरटाइजिंग यानी विज्ञापन की दुनिया आपको करियर की वह ऊंचाइयां दे सकती हैं, जो शायद ही आपकी कल्पना में हो. इसमें चाहिए हुनर- बीस सेकेंड का एक असरदार विज्ञापन किसी भी प्रोडक्ट को आसानी से बेच सकता है, लेकिन उस बीस सेकेंड में उस प्रोडक्ट के बारे में सबकुछ कह देना कतई आसान नहीं होता. एक एडवरटाइजर के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती होती है. इसलिए विज्ञापन एजेंसियों एवं कंपनियों में क्रिएटिव डिपार्टमेंट का रोल सबसे महत्वपूर्ण होता है. यहां काम कर रहे आर्ट डायरेक्टर और कॉपी राइटर विज्ञापन को उसकी शक्ल देते हैं और यह उनका केवल काम नहीं होता, बल्कि शौक भी होता है. एडवरटाइजिंग से जुड़े लोगों का कहना है कि इस फील्ड में हार्ड वर्क बहुत ज्यादा है, लेकिन आप कितने क्रिएटिव हैं, यह बहुत मायने रखता है.

जिम्मेदारी- एकाउंट एक्जीक्यूटिव क्लाइंट की जरूरत समझने के बाद क्रिएटिव टीम को उस हिसाब से विज्ञापन तैयार करने के लिए कहता है. एकाउंट प्लानर का काम मार्केट को समझना और उस हिसाब से प्रोडक्ट के लिए नीतियां तैयार करना है. क्रिएटिव टीम की सोच को फाइनल विज्ञापन की शक्ल देने का काम प्रोडक्शन टीम करती है, जबकि फाइनल विज्ञापन के बाद उसे अखबार, मैगजीन, रेडियो या चैनलों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी मीडिया एक्जीक्यूटिव की होती है.

सही दिशा- भारत में एडवरटाइजिंग और मार्केट रिसर्च का कोर्स कराने वाले संस्थानों में मुख्य हैं- मुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन- अहमदाबाद, गुजरात. भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली और भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली. इसके अलावा, देशभर के कई संस्थानों, विश्वविद्यालयों और निजी संस्थानों में भी एडवरटाइजिंग का कोर्स संचालित किया जाता है लेकिन वहां नामांकन कराने से पहले उनके बारे में व्यापक जानकारी ले लेना बेहतर होगा.

कैसी पढ़ाई- इन संस्थानों में आप एडवरटाइजिंग और मार्केट रिसर्च में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं. कई संस्थान कम्बाइंड एप्टीट्यूड टेस्ट (कैट) पास करने वाले अभ्यर्थियों का ही एडमिशन लेती है. हालांकि उन्हें ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू भी देना होता है. भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली में हर साल इस कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित होती है. यह कोर्स एक साल का होता है. इसके लिए ग्रेजुएट होना जरूरी है. विज्ञापन की दुनिया में कई जाने-माने नाम ऐसे हैं जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मैकेनिकल इंजीनियरिंग, लेदर एक्सपोर्ट और टी-टेस्टिंग से की थी यानी यदि आपने एडवरटाइजिंग क्षेत्र में पढ़ाई नहीं भी की है, तो भी आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं. जरूरत है तो बस इसके लिए कुछ अलग करने का जज्बा और लोगों तक अपनी बात पहुंचाने की काबिलियत.

कौन-कौन से हैं पद- विज्ञापन एजेंसी में आप एकाउंट एक्जीक्यूटिव, एकाउंट प्लानर, मीडिया एक्जीक्यूटिव, प्रोडक्शन एक्जीक्यूटिव और एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट में काम कर सकते हैं.

वेतन- विज्ञापन एजेंसी में आपकी तनख्वाह आपकी काबिलियत के हिसाब से तय होती है. शुरुआत में आपकी तनख्वाह दस हजार से तीस हजार रुपये प्रतिमाह हो सकती है, लेकिन अनुभव एवं आपकी योग्यता इस वेतन को लाखों में भी पहुंचा सकती है.

साइन लैंग्वेज में भी रोजगार बढ़ रही है मांग

अगर देश-विदेश में मूक बधिर युवाओं को उनकी भाषा में ज्ञान देना चाहते हैं, उन्हें पढ़ा-लिखाकर समाज की मुख्यधारा में ले जाना चाहते हैं तो इसके लिए साइन लैंग्वेज पर पकड़ होनी जरूरी है. यह भाषा सिर्फ मूक-बधिर बच्चों के लिए ही नहीं है, उन लोगों के लिए भी जरूरी है जो उन्हें पढ़ाना और उनके दुख-दर्द में शामिल होना चाहते हैं.

अगर देश-विदेश में मूक बधिर युवाओं को उनकी भाषा में ज्ञान देना चाहते हैं, उन्हें पढ़ा-लिखाकर समाज की मुख्यधारा में ले जाना चाहते हैं तो इसके लिए साइन लैंग्वेज पर पकड़ होनी जरूरी है. यह भाषा सिर्फ मूक-बधिर बच्चों के लिए ही नहीं है, उन लोगों के लिए भी जरूरी है जो उन्हें पढ़ाना और उनके दुख-दर्द में शामिल होना चाहते हैं.

दिल्ली विश्वविद्यालय के समान भागीदारी यानी इक्वल ऑपरच्युनिटी सेल ने अपने यहां मूक-बधिर लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर इससे जुड़ा कोर्स तैयार किया है. इसमें मूक बधिर के अलावा सामान्य छात्रों को भी दाखिला दिया जाता है.

तीन से चार माह के इस कोर्स के अलावा, विकलांग वर्ग से जुड़े कई और कोर्स भी हैं जिन्हें पूरा करने के बाद रोजगार की राह अख्तियार कर सकते हैं. सामान्य लीक से हटकर चलने वाले ये शॉर्ट टर्म कोर्स हैं जिनकी जरूरत जीवन में हर किसी को पड़ती है. इन कोर्सेज में जनवरी-फरवरी में दाखिले की प्रक्रिया चलेगी. इसके बाद पहले सप्ताह से कक्षाएं होंगी.

साइन लैंग्वेज

बधिर और विकलांग छात्रों को इस कोर्स में विभिन्न प्रतीकों की जानकारी दी जाएगी. उसके इस्तेमाल की विधि बताई जाएगी. सभी कोर्स दो से चार माह के हैं. इनमें दो बजे के बाद कक्षाएं आयोजित की जाएंगी. यहां आर्थोपेडिक्स और विजुअल्स के लिए कम्प्यूटर लैब और अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई गई हैं. इन कोर्स में पहले विकलांग, सामान्य वर्ग और एससी, एसटी छात्रों को भी दाखिला दिया जाएगा. ध्यान रहे, साइन लैंग्वेज में सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए भी दाखिले के दरवाजे खुले हैं.

कोर्स के तहत बेसिक और एडवांस लेवल की जानकारी अलग-अलग चरणों में दी जाती है. उन्हें ज्ञान-विज्ञान की दुनिया से जुड़ने के लिए संकेतों के माध्यम से गहन अध्ययन भी कराया जाता है. इस कोर्स में 20 सीटें हैं. इस माध्यम में छात्रों को पढ़ाई के दौरान आवश्यक अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है.

कम्युनिकेटिव इंग्लिश

यह कोर्स विकलांग छात्रों को इंग्लिश बोलने की कला और उसके लिए आवश्यक गुण सिखाएगा. ऐसे छात्रों को ही ध्यान में रखकर यह कोर्स तैयार किया गया है. अगर पर्याप्त संख्या में छात्र आते हैं तो उनके लिए यह कोर्स संस्थान चलाता है.

आईसीटी

इसका मतलब है इनफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी. इसके तहत दृष्टिहीन छात्रों को चार-पांच माह में कम्प्यूटर पर अपना सॉफ्टवेयर इस्तेमाल में कैसे लाना है, इसकी लैब में ट्रेनिंग दी जाएगी. कम्प्यूटर का इस्तेमाल आज रोजमर्रा की जिंदगी में हर जगह हो रहा है. ऐसे में यह कोर्स विकलांग वर्ग के छात्रों के लिए खासा फायदेमंद है.

ह्यूमन राइट फॉर डिसएबिलिटीज

यह कोर्स ज्ञान पर आधारित है. इसमें विकलांग छात्रों को आज के समय में उनके अधिकारों से अवगत कराया जाएगा. उनके सामाजिक, कानूनी और राजनीतिक अधिकार क्या हैं, उनके इस्तेमाल के बारे में भी बताया जाएगा. विश्वभर में विकलांगों से जुड़ी संस्थाएं खासकर एनजीओ में काम करने के लिए यह कोर्स खासा उपयोगी है.

मास मीडिया

यह कोर्स दिल्ली विश्वविद्यालय में चलने वाले अन्य कॉलेजों के कोर्सों से इस मायने में अलग है क्योंकि इसमें विकलांग छात्रों को न्यूज रीडिंग और एंकरिंग सिखाई जाएगी. अगर विकलांग छात्रों के बाद सीटें बचती हैं तो उस पर एससी, एसटी और अन्य छात्रों के दाखिले पर विचार किया जाता है.

ब्रेल लिपि रीडिंग एंड राइटिंग

यह कोर्स ऐसे छात्रों के लिए है जो ब्रेल लिपि सीखने-सिखाने में रुचि रखते हैं. चाहे वे सामान्य वर्ग के हों या विकलांग कैटेगरी के.

फीस

इस तरह के कोर्स की फीस पांच सौ से एक हजार रुपये के बीच है. छात्रों को इस दौरान लैब में कम्प्यूटर ट्रेनिंग और अध्ययन संबंधी सामग्री भी मुहैया कराई जाती है. लाइब्रेरी में पढ़ने का भी मौका दिया जाता है. छात्र इस कोर्स को अपने रेगुलर कोर्स के साथ-साथ कर सकते हैं. कक्षाएं पार्ट टाइम के रूप में आयोजित की जाती हैं. कोर्स पूरा होने के बाद उन्हें डीयू के समान अवसर सेल की ओर से सर्टिफिकेट दिया जाएगा.

क्या कहते हैं विशेषज्ञ ऑफिसर

ऑन स्पेशल ड्यूटी विपिन तिवारी के मुताबिक, साइन लैंग्वेज सीखकर सामान्य छात्र भी मूक-बधिर छात्रों के अध्ययन-अध्यापन से जुड़कर न सिर्फ समाज सेवा कर सकते हैं बल्कि रोजगार भी पा सकते हैं. ऐसे छात्रों को स्कूलों में अध्यापक के तौर पर रखा जाता है. कई स्वयंसेवी संस्थाएं ऐसे युवाओं की मदद लेती हैं. बदले में उन्हें शुरुआती तौर पर 20 से 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतनमान भी दिया जाता है. देश-विदेश में उन्हें कई जगह काम करने का मौका मिल सकता है. संस्थान उन्हीं कोर्स को चला पाता है जिनमें पर्याप्त संख्या में छात्र दाखिला लेते हैं.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैसों से भरे बैग और कारें लेकर भागे अशरफ गनी, हेलीकॉप्टर में नहीं थी जगह तो कुछ बैग रनवे में फेंकने पड़े

काबुल। (एजेंसी)।

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद राष्ट्रपति अशरफ गनी ने ताजिकिस्तान के लिए उड़ान भरी थी लेकिन उन्हें वहां पर उतरने नहीं दिया गया था। जिसके बाद उनके विमान ने ओमान की तरफ अपना रुख कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ राष्ट्रपति अशरफ गनी भी ओमान में हैं और जल्द ही अमेरिका जा सकते हैं।

रूस की सरकारी मीडिया एजेंसी ने दावा किया कि अफगानिस्तान से भागते हुए अशरफ गनी अपने साथ खूब सारा पैसा लेकर निकले थे। लेकिन विमान में जगह कम होने की वजह से पैसों से भरे हुए कुछ बैग उन्होंने रनवे पर ही छोड़ दिए।

काबुल स्थित रूसी दूतावास का हवाला देते हुए रूस की सरकारी मीडिया एजेंसी %तास% ने दावा किया कि 72 वर्षीय राष्ट्रपति गनी नकदी से भरा हेलीकॉप्टर लेकर काबुल से भागे।

दूतावास के एक कर्मचारी ने कहा कि उनके (गनी के) शासन के समाप्त होने के कारणों को गनी के वहां से भागने के तरीके से जोड़कर देखा जा सकता है। चार कारें पैसों से भरी हुई थीं और उन्होंने सारा पैसा हेलीकॉप्टर में भरने की कोशिश की, लेकिन सारा पैसा हेलीकॉप्टर में नहीं भरा जा सका और उन्हें पैसों से भरे कुछ बैग रनवे में फेंकने पड़े।

क्यों भागे राष्ट्रपति गनी ?

अशरफ गनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनके सामने दो मुश्किल विकल्प थे। पहला राष्ट्रपति भवन में घुसने की कोशिश कर रहे हथियारबंद तालिबान का सामना करना और दूसरा अपने प्रिय देश को छोड़ना, जिसकी रक्षा में मैने अपने जीवन के 20 साल लगा दिये।

उन्होंने कहा कि अगर फिर से अनगिनत संख्या में देश के नागरिक शहीद होते और काबुल में विध्वंस ही विध्वंस होता तो करीब 60 लाख की आबादी वाले शहर के लिए उसका परिणाम बेहद घातक होता। तालिबान ने मुझे हटाने का फैसला कर लिया था, वे यहां काबुल और काबुल के लोगों पर हमला करने आए हैं। ऐसे में रक्तपात से बचने के लिए, मुझे वहां से निकलना ही मुनासिब लगा।

पूर्व ब्रिटिश कमांडर का दावा, पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर कब्जा कर सकता है तालिबान!

यरुशलम। (एजेंसी)।

ब्रिटेन की सेना के एक पूर्व कमांडर ने सोमवार को दावा किया कि तालिबान बिना पाकिस्तान के समर्थन के अपना अभियान जारी नहीं रख सकता था, या अफगानिस्तान में जीत हासिल नहीं कर सकता था। पूर्व कमांडर ने इस बात को लेकर भी चिंता जताई कि जिहादी तत्व पाकिस्तान में परमाणु हथियारों पर नियंत्रण हासिल कर रहे हैं। यरुशलम स्थित गैर लाभकारी संगठन 'मीडिया सेंट्रल' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में ब्रिटिश सेना के पूर्व कमांडर कर्नल रिचर्ड केम्प ने कहा, 'पाकिस्तान ने तालिबान को बनाया, तालिबान को पैसा दिया और तालिबान को समर्थन दिया।' केम्प ने अफगानिस्तान और इराक समेत दुनिया के संकटग्रस्त क्षेत्रों में सैनिकों की अगुवाई की है। केम्प ने कहा, 'तालिबान पाकिस्तान के बिना 20 साल तक कायम नहीं रह सकता था, या अपना अभियान नहीं चला सकता था, जिससे उसने जीत हासिल की है।' उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान के पड़ोस में ही जिहादी राज्य का कायम होना उसके लिए भी बड़ा खतरा होगा। ब्रिटिश सेना के पूर्व कमांडर ने कहा, ÷ अफगानिस्तान में अभियान के दौरान या तालिबान की जीत के खतरे के बाद हमने जिन सबसे बड़े खतरों पर विचार किया, उनमें पाकिस्तान में कुछ परमाणु हथियार केंद्रों पर उसके नियंत्रण की आशंका या उनतक पहुंच स्थापित हो पाना शामिल है।÷ उन्होंने ईरान, चीन और रूस पर भी तालिबान को समर्थन देने का आरोप लगाया जबकि भारत को क्षेत्र में एक ऐसा संभावित देश बताया, जो अफगानिस्तान में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है।

सार समाचार

उज्बेकिस्तान ने सीमा सुरक्षा मुद्दों पर तालिबान से किया संपर्क

ताशकंद। अफगानिस्तान में तालिबान आंदोलन के प्रतिनिधियों के साथ उज्बेकिस्तान सीमा सुरक्षा मुद्दों पर करीबी संपर्क बनाए हुए है। ताशकंद में विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, हम एक समावेशी सरकार बनाने की तैयारी के बारे में अंतर-अफगान बलों के बयानों का समर्थन करते हैं। समाचार एजेंसी ने बताया कि मंत्रालय के अनुसार, उज्बेकिस्तान अफगानिस्तान में स्थिति के विकास पर बारीकी से नजर रख रहा है और उम्मीद है कि दोहा में अंतर-अफगान वार्ता के ढांचे में एक व्यापक शांति हासिल की जाएगी। बयान में कहा गया है, हमें विश्वास है कि इस दिशा में स्थिति के विकास से राष्ट्रीय समझौते की उपलब्धि होगी और एक मजबूत और सक्षम राष्ट्र के गठन के लिए स्थितियां पैदा होंगी। इसमें कहा गया है कि उज्बेकिस्तान अफगानिस्तान के साथ पारंपरिक मैत्रीपूर्ण और अच्छे-पड़ोसी संबंध बनाए रखने और देश के आंतरिक मामलों में गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांत का पालन करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की दृढ़ता से घोषणा करता है। मंत्रालय ने कहा कि काबुल में ताशकंद के राजनयिक मिशन और उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान के साथ सीमाओं के करीब स्थित एक प्रमुख अफगान आर्थिक केंद्र मजार-ए-शरीफ हमेशा की तरह काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि उज्बेकिस्तान की सीमा का उल्लंघन करने के किसी भी प्रयास को देश के कानून के अनुसार सख्ती से दबाया जाएगा।

कोविड मामले बढ़ने के बाद कंबोडिया ने मास्क जनादेश लागू किया

नोम पेन्ह। कंबोडियाई सरकार ने राष्ट्रव्यापी मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है क्योंकि दक्षिण पूर्व एशियाई देश में मंगलवार को 556 नए कोविड -19 मामले सामने आए और 14 मौतें जारी हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक बयान में, स्वास्थ्य मंत्री मैम बुनेंग ने राज्य के सभी 25 शहरों और प्रांतों को नियम के तहत लाने के लिए अतिरिक्त 15 प्रांतों में जनादेश लागू किया। उन्होंने कहा, फेस मास्क पहनने और शारीरिक दूरी (एक दूसरे से 1.5 मीटर की दूरी) बनाए रखने की आवश्यकताओं को अब से अगली सूचना तक लागू किया जाना चाहिए। मंत्री ने स्थानीय अधिकारियों को आवश्यकताओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। कानून के तहत, पहली बार उल्लंघन करने वालों को चेतावनी मिलेगी, क्योंकि बार-बार उल्लंघन करने वालों पर 50 डॉलर से 250 डॉलर के बीच जुर्माना लगाया जाएगा। कंबोडिया 20 फरवरी से कोविड -19 सामुदायिक प्रसारण की तीसरी लहर के अधीन है।

बांग्लादेश ने अफगानों की मेजबानी के अमेरिकी अनुरोध को खारिज किया

ढाका। बांग्लादेश ने युद्धग्रस्त देश में अमेरिका के नेतृत्व वाली संस्थाओं के लिए काम करने वाले कुछ अफगानों को अस्थायी पुनर्वास आश्रय प्रदान करने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध को खारिज कर दिया है। समाचार एजेंसी ने मंगलवार को मोमेन का हवाला देते हुए कहा, हम म्यांमार से 1.1 मिलियन शरणार्थियों की मेजबानी करने में पहले से ही मुश्किल में हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, बांग्लादेश ने अफगानिस्तान में सभी हितधारकों से शांति बनाए रखने और विदेशी नागरिकों सहित सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश अफगानिस्तान में तेजी से विकसित हो रही स्थिति को ध्यान से देख रहा है, जिसका ढाका का मानना है कि इस क्षेत्र और उसके बाहर प्रभाव पड़ सकता है। एक बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश को अफगानिस्तान के लोगों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ अफगानिस्तान के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए काम करना जारी रखने में खुशी होगी।

लेबनान के राष्ट्रपति ने कहा: इस्तीफा नहीं देंगे

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति मिशेल औन ने कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगे और अपने कार्यकाल के अंत तक अपनी जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को यह बयान नागरिकों द्वारा सोशल मीडिया और टीवी आउटलेट्स पर टिप्पणी के बाद आया, जिसमें औन से नए संसदीय चुनावों के लिए इस्तीफा देने का आग्रह किया गया था। एक नए राष्ट्रपति की नियुक्ति और देश में मौजूदा वित्तीय पतन के बीच आवश्यक सुधार करने में सक्षम कैबिनेट का गठन करने का आग्रह किया गया था। औन ने कहा कि वह लेबनान के पुनर्निर्माण के साथ शुरू करने के लिए दृढ़ हैं, जो बाद में नए राष्ट्रपति के साथ जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा, जो मैंने शुरू किया है उसे पूरा करने के लिए मेरी स्थिति या मेरी इच्छा को कोई नहीं हिलाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि लेबनानी में स्थिति में सुधार होने पर देश लौट आएंगे। राष्ट्रपति ने कहा, हम अगले कुछ दिनों में नई सरकार बनाकर मौजूदा संकट पर लगाम लगाने की उम्मीद करते हैं, हालांकि कुछ लोगों ने इस गठन में बाधा डालने की कोशिश की है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने मंत्रिमंडल में किया फेरबदल

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल करते हुए सात नए मंत्रियों की नियुक्ति की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रियों को सोमवार को राजधानी कोलंबो में राष्ट्रपति सचिवालय में आयोजित एक छोटे से समारोह में शपथ दिलाई गई। बयान के अनुसार, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पवित्रा वन्नियाराची ने परिवहन मंत्री का पद संभाला, जबकि केहेलिया रामबुक्वेला को स्वास्थ्य मंत्री, जीएल पेइरिस को विदेश मंत्री और दिनेश गुणवर्धन को शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। इसके अलावा, गामिनी लोकुगे को ऊर्जा मंत्री, दुल्लास अल्लाप्परुमा को मीडिया मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है, और नमल राजपक्षे को युवा और खेल के पोर्टफोलियो के अलावा विकास समन्वय निगरानी मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई है।

अफगानिस्तान संकट~ एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन से की बात

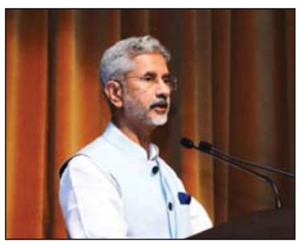

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगानिस्तान में हालिया घटनाक्रमों को लेकर सोमवार को बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि दोनों शीर्ष राजनयिकों ने अफगानिस्तान संबंधी हालात पर चर्चा की।

इसके कुछ ही देर बार जयशंकर ने ट्वीट किया, ''(अमेरिका के विदेश मंत्री) ब्लिंकन के साथ अफगानिस्तान में हालिया घटनाक्रमों पर चर्चा की। हमने काबुल में हवाईअड्डा संचालन बहाल करने की अत्यधिक आवश्यकता पर बल दिया। हम इस संबंध में अमेरिकी प्रयासों की बहुत सराहना करते हैं।'' तालिबान ने रविवार को काबुल के बाहर स्थित उस आखिरी बड़े शहर पर कब्जा कर लिया, जिस पर अफगान सरकार का नियंत्रण था और इसी के साथ अफगानिस्तान की राजधानी पूर्व से पूरी तरह कट गई। तालिबान ने मजार-ए-शरीफ और जलालाबाद पर कब्जे के बाद काबुल की ओर बढ़ना शुरू कर दिया था।

अफगानिस्तान मसले पर जो बाइडेन का भाषण, कहा- सैनिकों को वापस लेने के फैसले पर कायम

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

कुछ दिनों में ही तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्ज़ा कर लिया और देश की अशरफ गनी के नेतृत्व वाली सरकार भी गिर गई है और अब अफगानिस्तान के लोग दहशत में देश छोड़ने को मजबूर हो रहे है। 20 सालों से अफगानिस्तान में कैनेत रहे अमेरिकी सैनिक के वापस लौटने के बाद तालिबान ने अपने शक्ति प्रदर्शन से अफगानिस्तान की सत्ता पर भी कब्जा कर लिया है। इस बड़े फैसले से अमेरिका के राष्ट्रपति की काफी आलोचना हो रही है। तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपना पहला भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने सबसे पहले कहा कि वह 15 मिनट के लंबे भाषण के दौरान अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को वापस लेने के अपने फैसले के साथ खड़े हैं।

मैं अपने फैसले पर पूरी तरह से खड़ा हूं: जो बाइडेन

अफ़ग़ानिस्तान की स्थिति के बाद दुनिया भर से आलोचनाओं का सामना करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह बीस साल बाद युद्धग्रस्त देश से अमेरिकी सैनिकों को वापस लेने के अपने फैसले पर कायम हैं। जो बाइडेन ने कहा कि उन्हें इस साल अमेरिकी सैनिकों को वापस लेने या ÷तीसरे दशक÷ युद्ध से लड़ने के लिए हजारों और सेवा सदस्यों को अफगानिस्तान में वापस भेजने के लिए पहले से बातचीत के समझौते पर टिके रहने के बीच चयन करना था।

उन्होंने कहा कि उन्हें तालिबान के साथ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा किया गया सौदा विरासत में मिला था, जिसके अनुसार 1 मई के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना की रक्षा के लिए कोई युद्धविराम या समझौता नहीं हुआ था। बाइडेन ने कहा कि वह इस मुद्दे को पारित करने के बजाय वर्तमान आलोचना को स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि बीस वर्षों के बाद अमरीका के सबसे लंबे युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है और यह उनके देश के लिए सही निर्णय था।

फेसबुक ने तालिबान के समर्थन वाले कंटेंट पर प्रतिबंध लगाया

काबुल (एजेंसी)।

फेसबुक ने घोषणा की है कि उसने तालिबान और उसके मंच से विद्रोहियों का समर्थन करने वाले सभी कंटेंट पर प्रतिबंध लगा दिया है क्योंकि वह समूह को एक आतंकवादी संगठन मानता है। बीबीसी ने बताया कि कंपनी का कहना है कि उसके पास समूह से जुड़े कंटेंट की निगरानी और हटाने के लिए अफगान विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम है।

सालों से तालिबान अपने संदेश फैलाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता रहा है। अफगानिस्तान का इसका तेजी से अधिग्रहण प्रौद्योगिकी फर्मों के लिए समूह से संबंधित कंटेंट से निपटने के तरीके पर नई चुनौतियां खड़ी करता है। एक फेसबुक प्रवक्ता ने बीबीसी को बताया, तालिबान को अमेरिकी कानून के तहत एक आतंकवादी संगठन के रूप में स्वीकृत किया गया है और हमने अपनी खतरनाक संगठन नीतियों के तहत उन्हें अपनी सेवाओं से प्रतिबंधित कर दिया है। इसका मतलब है कि हम तालिबान द्वारा या उसकी ओर से बनाए गए खातों को हटा देते हैं और उनकी प्रशंसा, समर्थन और प्रतिनिधित्व को प्रतिबंधित करते हैं। हमारे पास अफगानिस्तान के विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम भी है, जो देशी दारी और पश्तो भाषी हैं और स्थानीय संदर्भ का ज्ञान रखते हैं, जो हमें मंच पर उभरते मुद्दों की पहचान करने और उन्हें सचेत करने में मदद करते हैं। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी ने कहा कि वह राष्ट्रीय सरकारों की मान्यता के बारे में निर्णय नहीं लेती है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के अधिकार का पालन करती है। फेसबुक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह नीति उसके प्रमुख सोशल मीडिया नेटवर्क, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप सहित उसके सभी प्लेटफार्मों पर लागू होती है।

हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि तालिबान संवाद करने के लिए व्हाट्सएप का उपयोग कर रहा है। फेसबुक ने बीबीसी को बताया कि अगर उसे ऐप पर अकाउंट्स ग्रुप से जुड़े हुए मिलते हैं तो वह कार्रवाई करेगा। प्रतिद्वंद्वी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी जांच के दायरे में आ गए हैं कि वे तालिबान से संबंधित कंटेंट को कैसे संभालते हैं। तालिबान के प्रवक्ताओं ने अपने सैकड़ों हजारों अनुयायियों को अपडेट करने के लिए ट्विटर का उपयोग किया है, क्योंकि संगठन ने अफगानिस्तान पर नियंत्रण वापस ले लिया है।

न्यूजीलैंड की जनसंख्या में तेजी से बढ़ोतरी

वेलिंगटन (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के सांख्यिकी विभाग स्टैट्स एनजेड ने मंगलवार को कहा कि 2013 के बाद से पहले जून वर्ष के लिए, प्राकृतिक वृद्धि (जन्म से मृत्यु) न्यूजीलैंड की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि का मुख्य चालक था। समाचार एजेंसी ने स्टैट्स एनजेड के हवाले से कहा, न्यूजीलैंड की जनसंख्या अस्थायी रूप से 32,400 लोगों या 0.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 30 जून, 2021 को 5.12 मिलियन तक पहुंच गई। उन्होंने कहा, यह कोविड -19 महामारी के दौरान पहला पूरा जून का वर्ष है, जहां सीमा बंद होने और यात्रा प्रतिबंधों ने शुद्ध प्रवासन को कम कर दिया, जून 2012 के बाद से सबसे कम वार्षिक वृद्धि दी, जब जनसंख्या में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जनसंख्या अनुमान और प्रोजेक्शन प्रबंधक हामिश स्लैक ने एक बयान में कहा, हाल के वर्षों में शुद्ध प्रवास न्यूजीलैंड की जनसंख्या वृद्धि का मुख्य चालक रहा है, लेकिन जून 2021 वर्ष के लिए, प्राकृतिक वृद्धि शुद्ध प्रवास से योगदान की तुलना में लगभग छह गुना अधिक थी।

स्लैक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पर कोविड -19 के प्रभाव के परिणामस्वरूप जून 2021 को समाप्त वर्ष के लिए केवल 4,700 का अनंतिम शुद्ध प्रवासन लाभ हुआ है, जो 2013 के बाद से सबसे कम है। स्टेट्स एनजेड के अनुसार, न्यूजीलैंड का जनसंख्या परिवर्तन प्राकृतिक वृद्धि (जन्म घटा मृत्यु) और शुद्ध प्रवास (प्रवासी आगमन घटा प्रवासी प्रस्थान) का एक संयोजन है। आंकड़ों के अनुसार, हालांकि, व्यापक आयु समूहों में सबसे छोटा, 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोग सबसे तेजी से बढ़ते आयु वर्ग थे, जून 2021 वर्ष में 3.43 प्रतिशत, या 27,200 लोग है। स्लैक ने कहा कि इस वृद्धि में से अधिकांश 1950 के दशक के मध्य में पैदा हुए लोगों का 65 वर्ष की आयु में बढ़ने और इस आयु वर्ग में जाने का परिणाम था। इसके विपरीत, 15-39 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या में 0.27 प्रतिशत या 4,700 लोगों की कमी आई है। उन्होंने कहा कि यह गिरावट मुख्य रूप से कम उम्र से इस आयु वर्ग में जाने की तुलना में अधिक लोगों को इस आयु वर्ग से वृद्धावस्था में जाने को दर्शाती है।

10 लाख फिलिस्तीनी बच्चे महीनों बंद होने के बाद स्कूल लौटे

रामल्लाह (एजेंसी)।

वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में 10 लाख से अधिक फिलीस्तीनी छात्र अपने स्कूलों में लौट आए, क्योंकि कोविड-19 महामारी के प्रसार के कारण कई महीनों के बंद रहने के बाद नया शैक्षणिक वर्ष शुरू हुआ। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 12 लाख छात्र, साथ ही 71,000 शिक्षक सोमवार को वेस्ट बैंक और तटीय फिलिस्तीनी एन्क्लेव में अपने स्कूलों में लौट आए।

कुछ स्कूल नियर ईस्ट (यूएनआरडब्ल्यूए) में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए सरकार या संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) से संबंधित हैं, जबकि अन्य निजी शैक्षणिक संस्थान हैं। उप शिक्षा मंत्री बसरी सालेह ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, पिछले साल पैदा हुए अंतर को भरने की योजना से एक महीने पहले छात्र स्कूलों में वापस चले गए। उन्होंने कहा कि महामारी के कारण होने वाली किसी भी आपात स्थिति के डर से वर्तमान शैक्षणिक वर्ष को दो के बजाय चार सेमेस्टर में विभाजित किया जाएगा। रविवार को, शिक्षा मंत्री मारवान अवतार्नी ने कहा कि शिक्षण कर्मचारी स्कूलों में प्रवेश नहीं कर पाएंगे, जब तक कि उन्हें पूरी तरह से टीका नहीं लगाया जाता है। उन्होंने पुष्टि की है कि फिलिस्तीनी शिक्षा प्रणाली उनमें से सभी के लिए एक सभ्य और सुरक्षित स्थान प्रदान करके छात्रों को प्राप्त करने के लिए तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी घोषणा की है कि वेस्ट बैंक में उसके 82 प्रतिशत स्कूल स्टाफ को टीके मिले थे, जिन लोगों ने ऐसा नहीं किया है, उनका टीकाकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि वेस्ट बैंक के स्कूल स्टाफ को हर समय फेस मास्क पहनना आवश्यक है, चाहे वह कक्षाओं के अंदर हो या खुले क्षेत्र में हो। उन्होंने 11 से 16 साल के छात्रों को भी ऐसा करने के लिए बाध्य किया है और मांग की है कि स्कूलों में आने वाला कोई भी आगंतुक टीकाकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे। इसने सामाजिक दूरी, व्यक्तिगत स्वच्छता, और स्टरलाइजेशन और कक्षाओं के वेंटिलेशन के माध्यम से सुरक्षा और रोकथाम के उपायों का पालन करने का भी आह्वान किया। गाजा में, हमास द्वारा संचालित शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूल सप्ताह में छह दिन संचालित होंगे, जिसमें सभी निवारक उपाय किए जाएंगे और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। गाजा में यूएनआरडब्ल्यूए शिक्षा कार्यक्रम के प्रमुख फरीद अबू अजरा ने सिन्हुआ को बताया कि एजेंसी ने इस शैक्षणिक वर्ष को सुचारू रूप से शुरू करने के लिए सभी आवश्यक स्कूल सुविधाएं स्थापित की हैं। अबू अजरा ने कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए ने व्यापक रूप से उपलब्ध टीकों को लेने के लिए शिक्षा कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक व्यापक अभियान के साथ, आमने-सामने सीखने के लिए विशेष स्वास्थ्य प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए काम किया। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने गाजा पट्टी में अपने स्कूलों को आवश्यक स्वास्थ्य, स्टरलाइजेशन और सफाई सामग्री प्रदान की है। फिलिस्तीनी क्षेत्रों में अब तक 3,893 मौतों के साथ 350,106 पुष्ट कोरोनोवायरस मामले दर्ज किए गए हैं।

पाकिस्तान में एक बार फिर महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा तोड़ी गई

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के लाहौर में 19वीं सदी के सिख शासक महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा को तीसरी बार तोड़ा गया है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने ट्विटर पर टिप्पणी कर कहा, शर्मनाक निरक्षरों का यह झुंड दुनिया में पाकिस्तान की छवि के लिए वास्तव में खतरनाक है। एक कट्टरपंथी पार्टी के सदस्य, तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने लाहौर किले में रंजीत सिंह की प्रतिमा को गिरा दिया। प्रतिमा को पहले टीएलपी कार्यकर्ताओं ने कम से कम दो अलग-अलग मौकों पर तोड़ दिया था। ट्विटर पर साझा किए गए एक वीडियो में, व्यक्ति को अपने हाथों से मूर्ति पर प्रहार करते और उसके हाथों और अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाते हुए देखा जा सकता है। जून 2019 में लाहौर में माई जिंदा हवेली में अनावरण की गई प्रतिमा को पहले अगस्त 2019 में कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा और फिर पिछले साल दिसंबर में तोड़ दिया गया था। एक किशोर आगंतुक ने दिसंबर 2020 में महाराजा की मूर्ति का हाथ तोड़ दिया था। उसे पकड़ने के बाद, उसने पुलिस को बताया कि किले में एक सिख शासक की मूर्ति को देखकर उसकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिमा में हालिया तोड़फोड़ रिजवान नाम के शख्स ने लाहौर के किले में की। मूर्ति के चारों ओर रेलिंग तोड़ते समय वह विदेशी भाषा में कुछ बोल रहा था। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्हें मूर्ति के कुछ हिस्सों को खींचते हुए देखा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता भीखा लाखानी समेत 200 कार्यकर्ता आप में शामिल

क्रांति समय दैनिक

सूरत,केन्द्रीय राज्यमंत्री दर्शना जरदोश के नेतृत्व में सूरत में होनेवाली जन आशीर्वाद यात्रा से पहले भाजपा को बड़ा झटक लगा है। सूरत के पूणा क्षेत्र के भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता भीखा लाखानी ने अपने 200 जितने समर्थकों के साथ आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। आप नेता महेश सवाणी ने भीखा लाखानी समेत कार्यकर्ताओं का पार्टी में स्वागत किया। आप की ओर से बीते दिन सूरत के वराछा स्थित श्यामधाम सोसायटी में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें वार्ड संख्या 16 के भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता और सामाजिक नेता भीखा लाखानी समेत 200 जितने समर्थकों ने आप का झाडू थाम लिया। महेश सवाणी और आप के प्रदेश महासचिव मनोज सोरठिया की उपस्थिति में आप में शामिल होने वाले भीखा लाखानी ने कहा कि 16 साल तक भाजपा में बतौर सक्रिय कार्यकर्ता भूमिका निभाई है। किसान मोर्चा के प्रमुख रह चुके भीखा लाखानी अपने रोकस्टार ग्रुप के 100 जितने युवा और आसपास की सोसायटी के प्रमुख व नेताओं के साथ आप में शामिल हुए हैं। इस मौके पर महेश सवाणी ने कहा कि राज्य में भाजपा के एकछत्र शासन के बाद अब लोग आम आदमी पार्टी को विकल्प के तौर पर अपना रहे हैं। केवल सौराष्ट्र ही नहीं बल्कि उत्तर, मध्य गुजरात में भी अनेक सामाजिक नेता आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात में भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विकल्प के तौर पर उभर रही है।

सूरत में प्रवेश करते हुए, जन आशीर्वाद यात्रा, दर्शन जरदोश के केंद्रीय राज्य मंत्री बनने भव्य स्वागत किया गया

क्रांति समय दैनिक

सूरत,केंद्रीय राज्य मंत्री (रेलवे और कपड़ा) बनने के बाद पहली बार दर्शन जरदोश सूरत आए। सूरत में प्रवेश करते ही जन आशीर्वाद यात्रा का खुशी से स्वागत किया गया। यात्रा वलसाड होते हुए सूरत आई। सूरत की कामराज विधानसभा सीट से जन आशीर्वाद यात्रा सूरत के अलग-अलग इलाकों की यात्रा कर पालनपुर पाटिया पहुंची.

कामराज विधानसभा सीट पर बड़ी संख्या में बीजेपी नेताओं और समर्थकों के जुटने से पाटीदारों का दबदबा है. कामराज विधानसभा सीट और फिर वराछा विधानसभा सीट की ओर यात्रा जारी रही। इन दोनों सीटों पर पाटीदारों का दबदबा है। पाटीदारों का केंद्र मानगढ़ चौक सरदार प्रतिमा था। जिसमें भारी संख्या में भाजपा नेता व समर्थक मौजूद रहे। स्थानीय विधायक कुमार कनानी भी दर्शन जरदोश में शामिल हुए।

पाटीदार क्षेत्र में भाजपा को मिली थोड़ी राहत पाटीदार क्षेत्र में मिली व्यापक प्रतिक्रिया भारतीय लोगों के लिए कुछ राहत भरी खबर कही जा सकती है। निगम चुनाव के दौरान इलाके में बीजेपी की हार हुई थी. नतीजतन, भाजपा के लिए सबसे अधिक चिंता के क्षेत्र वराछा और कामराज विधानसभा क्षेत्र हैं। एक मजबूत संगठन होने के बावजूद भाजपा निगम चुनाव में कुछ हद तक विफल रही।

सूरत के लोगों ने दर्शन जरदोश का अभिवादन किया और दक्षिण गुजरात में शुरू हुई जन आशीर्वाद यात्रा का सूरत में भव्य स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार में दर्शन जरदोश को जगह मिलने से सूरत में पहले से ही खुशी का माहौल देखने को मिल रहा था. दर्शन जरदोश का सूरत के लोगों ने स्वागत किया। वराछा कामराज सहित अन्य विधानसभा क्षेत्रों से होते हुए जुलूस पालनपुर पाटिया पहुंचा।

भारतीय जनता पार्टी को दे रहे हैं लोग आशीर्वाद- दर्शन जरदोश केंद्रीय राज्य मंत्री दर्शन जरदोश ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा को पूरे दक्षिण गुजरात से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है. लोग भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद दे रहे हैं क्योंकि राज्य सरकार और केंद्र सरकार कोरोना काल में विकास कार्यों की गति तेज कर रही है।

गुजरात की जनता ने बीजेपी को कभी निराश नहीं किया. आने वाले दिनों में गुजरात की जनता का आशीर्वाद भाजपा पर बना रहेगा।

पारिवारिक देवरों ने भाभी की सरेआम घसीट घसीट कर बर्बरतापूर्वक पिटाई की

क्रांति समय दैनिक

दाहोद,दाहोद से एक और हैरान करने वाली घटना सामने आई है। जिसमें कुछ लोग एक महिला को सरेआम घसीट घसीट कर बर्बरतापूर्वक पीट रहे हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दाहोद की सुखसर पुलिस हरकत में आई और आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक दाहोद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें एक महिला को सड़क घसीट घसीट कर लाठी से पीटा जा रहा था। घटनास्थल पर मौजूद लोग बीचबचाव करने के बजाए तमाशा देख रहे थे। जिसमें कुछ वीडियो भी बना रहे थे। हांलाकि वीडियो किस क्षेत्र का है इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होते ही सुखसर पुलिस हरकत में आ गई और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्राथमिक जांच में पता चला कि महिला को पीटने वाले लोग उसके पारिवारिक देवर हैं। पारिवारिक झगड़े में महिला की बर्बर पिटाई की गई। महिला की इतना गलती थी कि उसने विरोधी पक्ष की महिलाओं से बातचीत की थी। इसी बात को लेकर महिला को तालीबानी सजा दी गई। फिलहल पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

सार-समाचार

पीएम मोदी शुक्रवार को सोमनाथ मंदिर में 80 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे

अहमदाबाद,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अगस्त, शुक्रवार को सोमनाथ मंदिर में 80 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का वर्च्युअली लोकार्पण करेंगे। सावन महीने में भगवान सोमनाथ मंदिर का गुजरात में अनोखा महत्व है। जहां गुजरात ही नहीं बल्कि देश-विदेश से श्रद्धालु भगवान सोमनाथ के दर्शन करने आते हैं। सोमनाथ मंदिर के निकट 30 करोड़ रूपए की लागत से पार्वती माता के मंदिर बनाए जाने की योजना है। पीएम मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री आगामी 20 अगस्त को पार्वती माता के मंदिर का शिलान्यास करेंगे। साथ ही 80 करोड़ रूपए से तैयार विकास कार्यों का दिल्ली से वर्च्युअली लोकार्पण करेंगे। सोमनाथ मंदिर के पीछे समुद्र दर्शन के लिए वॉक वे तैयार किया गया है, जहां से अब श्रद्धालु समुद्र का दर्शन कर सकेंगे। यहां के अहिल्यादेवी मंदिर का भी नवीनीकरण किया गया है। सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट की ओर से घन कचड़े के निपटारे के लिए वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट तैयार किया गया है। इसके अलावा सोमनाथ कला केन्द्र में पौराणिक संग्रहालय भी तैयार किया गया है। इन सभी विकास कार्यों का पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह वर्च्युअली लोकार्पण करेंगे। साथ ही माता पार्वती मंदिर का शिलान्यास भी करेंगे। लोकार्पण का कार्यक्रम सोमनाथ के राम मंदिर ऑडिटोरियम में होगा, जिसमें मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत भाजपा के नेतागण मौजूद रहेंगे।

रेस्टोरंट में नाश्ता कर रहे वृद्ध की दिल का दौरा पड़ने से मौत

आणंद, बोरसद के एक रेस्टोरंट का चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक वृद्ध नाश्ता कर रहे थे और अचानक कुर्सी से फर्श पर जा गिरे। रेस्टोरंट मालिक तुरंत वृद्ध को लेकर अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आणंद जिले के बोरसद स्थित रेस्टोरंट में एक वृद्ध नाश्ता करने गए थे। रेस्टोरंट में कुर्सी पर बैठकर खमण खा रहे वृद्ध अचानक फर्श पर गिर गए। रेस्टोरंट स्टाफ समेत वहां मौजूद लोगों ने वृद्ध को उठाने का प्रयास किया। वृद्ध पर कोई असर नहीं हुआ। कुछ ने प्याज वृद्ध को प्याज सुंघाया। हांलाकि वृद्ध के होश में नहीं आने पर रेस्टोरंट मालिक उन्हें एम्ब्युलेंस 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वृद्ध की मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी। फिलहाल तो दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत होने की आशंका है। मृत वृद्ध आणंद जिले की बोरसद तहसील के देदरडा गांव के निवासी थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अपने फैसले से पलटी सरकार, कहा- डेम में पर्याप्त पानी होने पर मिलेगा सिंचाई का पानी

अहमदाबाद,कुछ दिन पहले किसानों को सिंचाई के लिए पानी देने की घोषणा करने वाली राज्य सरकार अपने फैसले से पलट गई है। उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल का कहना है कि यदि डेम में पर्याप्त जलराशि होगी तभी सिंचाई के लिए पानी दिया जाएगा। गुजरात में बारिश में विलंब से ज्यादातर डेम खाली हो चुके हैं। राज्य के जलाशयों में ३० प्रतिशत जलराशि शेष रह गई है। बारिश नहीं होने के कारण किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जिसे देखते हुए कुछ दिन पहले उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने किसानों के सिंचाई के

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पहले अलीगढ़, फिर मैनपुरी का नाम बदलने की कवायद

अलीगढ़ (यूपी)। फिरोजाबाद के बाद अब अलीगढ़ की जिला पंचायत ने एक प्रस्ताव पारित कर अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ करने की मांग की है। इस बारे में सोमवार को प्रस्ताव पारित किया गया और सदस्यों ने दावा किया कि यह लंबे समय से लंबित मांग थी। यह प्रस्ताव पंचायत की पहली बैठक में बिना किसी विरोध के 72 में से 50 सदस्यों की उपस्थिति में पारित किया गया था। अलीगढ़ के जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा, अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ करने की मांग लंबे समय से लंबित थी। जिला पंचायत ने प्रस्ताव को निर्विरोध मंजूरी दे दी। अब इसे मंजूरी के लिए राज्य सरकार के पास भेजा जाएगा। इससे पहले स्थानीय भाजपा नेताओं ने अलीगढ़ हवाईअड्डे का नाम भाजपा नेता कल्याण सिंह के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया था। कल्याण सिंह अलीगढ़ के रहने वाले हैं और राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। मैनपुरी में सोमवार को जिला पंचायत ने एक प्रस्ताव पारित कर मैनपुरी का नाम बदलकर मयन नगर करने की मांग की। मैनपुरी की जिला पंचायत अध्यक्ष अर्चना भदौरिया ने कहा, जिला पंचायत सदस्यों में से एक ने मैनपुरी का नाम बदलकर मयन नगर करने का प्रस्ताव पेश किया था और सोमवार को 23 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया और दो ने इसका विरोध किया। मैनपुरी समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव का गढ़ है, जिन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र से पांच चुनाव जीते। इस महीने की शुरूआत में, फिरोजाबाद जिला पंचायत ने एक प्रस्ताव पारित कर फिरोजाबाद का नाम बदलकर चंद्र नगर करने की मांग की थी।

तिरंगा यात्रा निकालने को लेकर आप विधायक कुलदीप कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नयी दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर आवश्यक अनुमति के बगैर 'तिरंगा यात्रा' निकालने को लेकर दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक कुलदीप कुमार के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विधायक ने राष्ट्रीय राजधानी के कल्याणपुरी से कोंडली स्थित अपने कार्यालय तक मार्च किया। पूर्वी दिल्ली के कोंडली से विधायक कुमार ने कहा कि कोविड से जुड़े नियमों का पालन करने के बावजूद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली पुलिस भाजपाद्वारा निकाली गई आशीर्वाद यात्रा के खिलाफ प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज कर रही है? हम बाइक पर थे, मास्क पहने हुए थे, सामाजिक दूरी बनाए हुए थे और सभी नियमों का पालन कर रहे थे, और तब भी हम पर प्राथमिकी कर दी गई।' कुमार ने कहा, 'क्या हम अपना स्वतंत्रता दिवस नहीं मना सकते।' पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कोविड-19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए किसी भी रैली के आयोजन की अनुमति नहीं दी गई थी। इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है।

विपक्ष के हंगामे के चलते पहले ही यूपी विधान सभा की कार्यवाही स्थगित

लखनऊ। दिल्ली में माननीय सांसदों ने दोनों सदन नहीं चलने दिए थे तो उत्तर प्रदेश में माननीय विधायकों के चलते उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले ही दिन हंगामेदार महौल रहा। समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस का विधान भवन के बाहर तथा अंदर जर्बदस्त तरीके से हंगामा देखने को मिला। विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के सदस्य तो हंगामें के लिए इतने उतवाले थे कि वह शोक प्रस्ताव के दौरान ही वेल में आ गए और हंगामा करने लगे। शोरशराबे के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक प्रस्ताव रखा। तत्पश्चात दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के बाद भारी हंगामें और शोरशराबे के चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार 24 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई। आज विधान सभा की कार्यवाही शुरू होते ही समाजवादी पार्टी के विधायकों तथा विधान परिषद सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। इनका विरोध प्रदर्शन सदन को कल तक के लिए स्थगित करने की घोषणा तक जारी रहा। सपा के नेताओं ने शोक सभा के दौरान भी वेल में आकर पोस्टर लहराया।

बंगाल में जन-आशीर्वाद यात्रा के दौरान मंत्री और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में जनआशीर्वाद यात्रा के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और कई कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने कहा है कि बंगाल में जगह-जगह यात्रा रोकने के साथ 30 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।
भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नव-नियुक्त मंत्रियों के लिए जन आशीर्वाद यात्रा की शुरुआत की है। लेकिन बंगाल में 30 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं को, जो जन-आशीर्वाद यात्रा में जो भाग ले रहे थे, उन्हें गिरफ्तार किया गया है।
उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में बिना कारण जन-आशीर्वाद यात्रा जगह-जगह रोकी जा रही है। सबसे दुखद है कि मतुवा समाज के बेटे शांतनु ठाकुर , जिन्हें मंत्री बनाया गया है, वो बंगाल से सांसद हैं, उन्हें गिरफ्तार किया गया है। ये मतुवा समाज को आहत करता है।
भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले दिल्ली में छोटी सी बच्ची के साथ के साथ दुष्कर्म हुआ, इस मामले पर भी राहुल गांधी ने राजनीति की और कानून के दायरे से बाहर जाकर बच्ची के माता-पिता की तस्वीर को सोशल मीडिया पर डाला था।
संबित पात्रा ने कहा कि पीड़िता की मां ने खुद बयान देकर कहा है कि हमारे परिवार से तस्वीर सार्वजनिक करने की कोई हामी नहीं दी है। बच्ची की मां जब मीडिया से बात कर रही थीं, तब भी उन्होंने अपनी पहचान को छिपाया था। दुखद है कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने देश से इतना बड़ा झूठ बोला है।

दलित बच्ची से कथित दुष्कर्म मामले का राजनीतिकरण राहुल गांधी की 'ओछी राजनीति' का प्रमाण: नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजधानी दिल्ली में नौ साल की दलित बच्ची की कथित तौर पर दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की घटना पर राजनीति करने के लिए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया और कहा कि यह उनकी ''ओछी'' राजनीति का जीता जागता प्रमाण है। केरल के कोझिकोड में पार्टी के जिला कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि दिल्ली में एक बच्ची के साथ पिछले दिनों जो आमनवीय कृत्य हुआ, उसकी जितनी निंदा की जाए वह कम है, लेकिन इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''हम सब लोग जानते हैं कि बिना परिवार के इजाजत के उनकी तस्वीर सार्वजनिक करना और बाद में झूठ बोलना...आज जब पीड़िता की मां न सब कुछ सार्वजनिक कर दिया है तो यह उनकी (राहुल गांधी) ओछी राजनीति का जीता जागता प्रमाण है।''

इस बीच, भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी इस मामले में राहुल गांधी पर निशाना साधा और मांग की कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष का ट्विटर अकाउंट फिर से बंद किया जाना चाहिए। राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पात्रा ने कहा, ''राहुल गांधी ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है और वह आदतन झूठे हैं। जनता ने इनका (कांग्रेस) राजनीतिक अकाउंट बंद कर दिया है और अब ट्विटर को उनका अकाउंट बंद कर देना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले दिल्ली में छोटी सी बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ था और इस मामले पर भी राहुल गांधी ने राजनीति की और कानून के दायरे से बाहर जाकर बच्ची के माता-पिता की तस्वीर को सोशल मीडिया पर डाला था।

उन्होंने कहा, ''पीड़िता की मां ने खुद बयान देकर कहा है कि हमारे परिवार ने तस्वीर सार्वजनिक करने की कोई हामी नहीं दी है। बच्ची की मां जब मीडिया से बात कर रही थीं, तब भी उन्होंने अपनी पहचान को छिपाया था। दुखद है कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने देश से इतना बड़ा झूठ बोला है।'' पात्रा ने कहा कि जब राहुल गांधी ने पीड़िता के परिवार की तस्वीर साझा की तब ट्विटर ने अपनी नीति के अनुसार कार्रवाई की थी। उन्होंने कहा, ''तब राहुल गांधी ने देश से झूठ बोला था कि पीड़िता के परिवार ने उनको स्वीकृति दी थी। कोई भी जिम्मेदार नेता ऐसा नहीं कर सकता।

टीएमसी ने बंगाल में खेला होबे दिवस मनाया, भाजपा ने बंगाल बचाओ दिवस मनाया

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को पूरे राज्य में खेला होबे दिवस मनाया और पार्टी नेताओं ने इस अवसर पर राज्य भर में फुटबॉल मैच आयोजित कराए। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कोलकाता में 1946 में आज के दिन हुए 'नरसंहार' को याद करते हुए 'बंगाल बचाओ दिवस' मनाया। इस साल अप्रैल-मई में हुए विधानसभा चुनाव में 'खेला होबे' नारे का इस्तेमाल हुआ था। चुनाव में टीएमसी ने भाजपा को करारी शिकस्त दी थी। पिछले वर्षों की तरह ही भाजपा ने इस दिन को पश्चिमबंगा बचाओ दिवस (पश्चिम बंगाल बचाओ दिवस) के रूप में मनाया। इसके कई वरिष्ठ नेताओं, जैसे कि प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शहर में प्रदर्शन किया, लेकिन उन्हें एहतियाती तौर पर हिरासत में ले लिया गया।

टीएमसी नेताओं ने हर जगह फुटबॉल मैच का आयोजन कराया था। यह मैच उन 16 लोगों की याद में आयोजित किए गए, जिनकी 1980 में इसी दिन ईस्ट बंगाल और मोहन बागान क्लबों के बीच हुए एक फुटबॉल मैच के दौरान मची भगदड़ और दंगों में मौत हो गई थी। टीएमसी प्रमुख एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि 16 अगस्त को खेला होबे दिवस के रूप में मनाया जाएगा। टीएमसी राष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमाने की कोशिश में जुटी हुई है, उसने देश के अन्य हिस्सों में यह दिवस मनाने के लिए बड़ी योजनाएं बनाई हैं, जिनमें त्रिपुरा भी शामिल है जहां 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

अफगानिस्तान की स्थिति चिंताजनक, सभी भारतीय को वापस लाना फर्ज : शाहनवाज

पटना (एजेंसी)।

बिहार के उद्योग मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने मंगलवार को यहां कहा कि अफगानिस्तान की स्थिति चिंताजनक है। भारत लगातार वहां की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वहां से हर भारतीय को वापस बुलाया जाएगा। पटना में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा नेता ने कहा कि अफगानिस्तान की स्थिति चिंताजनक है। भारत सरकार ने बडी कोशिश के बाद अपनी एम्बेसी के लोगों को निकाल लिया गया है। 120 भारतीयों को निकाल लिया गया है। अफगानिस्तान को लेकर दुनिया भर में चिंता है। मंत्री ने आगे कहा, तालिबान जिस तरह की भाषा बोल रहा है, वो जमीनी हकीकत से दूर है। भारत सरकार ने पूरी स्थिति पर नजर बना रखी है। लेकिन वहां की तस्वीरें काफी दर्दनाक हैं। तालिबान दुनिया के लिए खतरा ना बने, जो गारंटी उसने दी उसे उसपर अमल करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी भारतीयों को बुलाना हमारा फर्ज है और हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जो भी भारतीय पासपोर्ट होल्डर हैं, सबको बुलाया जाएगा। भारतीय पासपोर्ट होल्डर पहले भारतीय हैं, तब कोई जाति या धर्म के हैं। प्रधानमंत्री मोदी सबको साथ लेकर चलने वाले हैं। उन्होंने कहा, 120 लोग जो अभी आए हैं, उसमें सारे धर्म के लोग हैं। लेकिन अफगानिस्तान में रहने वाले हिन्दू और सिक्ख जिनको धर्म के वजह से खतरा है, उनको हम पहले नागरिकता देंगे।

जब मौलिक अधिकारों और संविधान को कुचला जाए तो चुप रहना पाप है: सोनिया गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देश की आजादी का 75वां साल आरंभ होने के मौके पर सोमवार को लोगों से इसको लेकर आत्ममंथन करने का आह्वान किया कि आजादी के क्या मायने हैं और साथ ही उन्होंने कहा कि जब मौलिक अधिकारों और संविधान को कुचला जा रहा हो, तब चुप रहना पाप है। उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र को फिर से सही स्थिति में लाने की जरूरत है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने एक अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित सोनिया गांधी के लेख को उद्धृत करते हुए कहा, ''जब हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा गारंटी के तौर पर दिए गए लोगों के मौलिक अधिकारों को कुचला जा रहा है, तब चुप रहना पाप है।''

उन्होंने कहा कि इस लेख में कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बारे में बात की है कि लोगों के लिए आजादी के क्या मायने हैं। इस लेख में सोनिया ने कहा कि जब सरकार संसद पर 'हमले करती है' और परंपराओं को 'कुचलती है', लोकतंत्र को 'गुलाम बना देती है' और संविधान का 'हनन करने' का प्रयास करती है तो देश के लोगों को इस बारे में विचार करने की जरूरत है कि आजादी के क्या मायने हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मौजूदा समय में पत्रकारों को सच लिखने, टीवी चैनलों को सच्चाई दिखाने तथा लेखकों एवं विचारकों को अपनी बात रखने की आजादी नहीं है।

उन्होंने यह दावा भी किया कि आज के समय में सांसद भी अपनी बात नहीं रख पा रहे, ऑक्सीजन की कमी से प्रभावित लोगों को बोलने की आजादी नहीं है तथा राज्यों को केंद्र से अपने अधिकार मांगने की आजादी नहीं है। सोनिया ने कहा कि कोविड-19 और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को लेकर भारत की प्रतिक्रिया दुनिया के लिए निर्णायक होगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि हाल ही में संपन्न संसद के मॉनसून सत्र में सांसदों को राष्ट्रीय महत्व से जुड़े मुद्दे उठाने का मौका नहीं मिला।

पंजाब कांग्रेस में बढ़ सकती है तकरार! कैप्टन विरोधी परगट सिंह को सिद्धू ने बनाया पार्टी का संगठन महासचिव

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

जब से पंजाब कांग्रेस प्रमुख की कमान नवजोत सिंह सिद्धू को दी गई है वह मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से आर-पार के मूड में है। यही कारण है कि सिद्धू बिना नाम लिए अमरिंदर सरकार पर निशाना साध ही रहे हैं। साथ ही साथ अमरिंदर विरोधी नेताओं को भी बढ़ावा देने में जुटे हुए हैं। यही कारण है कि वर्तमान में देखें तो सिद्धू ने एक ऐसी नियुक्ति की है जिससे कि अमरिंदर सिंह और नाराज हो सकते हैं। दरअसल, सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस संगठन का महासचिव जालंधर के विधायक परगट सिंह को बनाया है। खुद सिद्धू ने इस बात को ट्वीट कर कहा है इस नियुक्ति के साथ ही अब पंजाब कांग्रेस कमेटी का पुनर्गठन हो सकता है।

हालांकि, माना जा रहा है कि परगट सिंह की नियुक्ति को लेकर कैप्टन अमरिंदर सिंह नाराज हो सकते हैं। पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान परगट सिंह सिद्धू के काफी करीबी माने जाते हैं जबकि कैप्टन के विरोधी हैं। सिद्धू ने इस नियुक्ति को लेकर एक पत्र जारी किया जिसमें लिखा था कि राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल और पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश रावत की स्वीकृति के बाद परगट सिंह को तत्काल प्रभाव से पंजाब कांग्रेस कमेटी का महासचिव संगठन नियुक्त किया जाता है।

आपको बता दें कि सिद्धू की ही तरह परगट सिंह भी लगातार कैप्टन के खिलाफ हमलावर रहे हैं। परगट सिंह ने तो यह तक दावा कर दिया है कि 2022 में कैप्टन अमरिंदर सिंह की अगुवाई में होने वाली विधानसभा चुनाव कांग्रेस नहीं जीत पाएगी। आपको बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू ने परगट सिंह के साथ दोस्ती निभाते हुए उन्हें यह पद दिया है। दरअसल, जब 2017 में जब सिद्धू ने भाजपा छोड़ने के बाद आवाज-ए- पंजाब मोर्चा बनाया था तब भी परगट सिंह में सिद्धू का साथ दिया था।

भारत में कोरोना के 154 दिनों में सबसे कम केस आए, वैक्सीनेशन का बना रिकॉर्ड

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 25,166 नए मामले आए, जो 154 दिनों में सबसे कम है, जिससे देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 3,22,50,679 हो गए, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 मरीजों के ठीक होने की दर 97.51 प्रतिशत दर्ज की गई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे अधिक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार यह जानकारी सामने आयी है। मंगलवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 के 437 और मरीजों की मौत के साथ देश में इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,32,079 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3,69,846 रह गई है, जो 146 दिनों में सबसे कम है। यह संक्रमण के कुल मामलों का 1.15 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद सबसे कम है। पिछले 24 घंटे की अवधि में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की कुल संख्या में 12,101 की कमी आई है। इसके अलावा, सोमवार को कोविड-19 के लिये 15,63,985 नमूनों की जांच की गई, जिससे देश में कोविड-19 का पता लगाने के लिए अब तक की गईं जांच की कुल संख्या बढ़कर 49,66,29,524 हो गई। दैनिक संक्रमण दर 1.61 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 22 दिनों से यह तीन फीसदी से नीचे रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक साप्ताहिक संक्रमण दर 1.98 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 53 दिनों से यह तीन फीसदी से नीचे रही है। आंकड़ों के अनुसार, बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,14,48,754 हो गई, जबकि मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक कोविड-19 टीकों की कुल 55.47 करोड़ खुराक दी गई हैं, जिसमें पिछले 24 घंटों में 88.13 लाख से अधिक खुराक दी गई हैं, जो कि एक दिन में अब तक का सबसे अधिक टीकाकरण है। भारत में कोविड-19 मामलों का आंकड़ा सात अगस्त, 2020 को 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख को पार कर गया था। यह 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख को पार कर गया था। इसने 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ का आंकड़ा पार किया था।

मेरठ में युवा संकल्प यात्रा की हुई शुरुआत, पंकज सिंह ने सपा-बसपा पर जमकर साधा निशाना

मेरठ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए सभी दलों ने अपनी-अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी पंकज सिंह ने सोमवार को मेरठ में युवा संकल्प यात्रा की शुरूआत की। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी और प्रदेश उपाध्यक्ष का महानगर में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने विपक्षियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को तालिबान और आतंकवाद पर भरोसा है, इसलिए हमारी पुलिस पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा फिर से प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने 1857 की क्रांति के उदगम स्थल से युवा संकल्प यात्रा की शुरुआत की है, विपक्षियों ने लगातार युवाओं की भावनाओं से खेल किया है।लेकिन समाजवादी पार्टी और बसपा वाले नही समझ पाएंगे। उन्होंने वर्ष 2001 के बाद से युवा परेशान था।अब नौजवानों का जोश है, इस बार फिर से बीजेपी की सरकार बनेगी। विपक्षी आज अपना अस्तित्व बचाने में लग रहे हैं। कोई बेरोजगारी भत्ता, कोई साइकिल बांटता था, लेकिन युवा अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता है। ये काम हमारी योगी सरकार ने किया है। वही, गुंडे, बदमाश सड़क छोड़कर बिलों में घुस रहे हैं। इस युवा संकल्प यात्रा की शुरुआत श्रधेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर की है।

उन्होंने कहा था कि राष्ट्र के लिए ज्वर कभी नहीं रुकना चाहिये। इसी बात को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के नेता को राष्ट्गान नहीं आता। उन्हें देश कभी माफ नहीं करेगा। वहीं, अखिलेश यादव ट्विटर की राजनीति करते हैं। इसके अलावा ट्विटर ने कोंग्रेस को बंद कर दिया है। सपा, बसपा को आतंकवाद में वोट और राष्ट्रवाद में खोट दिखता है। इसलिए सभी बीजेपी कार्यकर्ता भारत-माता की जय बोले। उत्तर प्रदेश और देश के शासन को देखकर कई विदेशी बोलते हैं कि योगी और मोदी को हमे दे दीजिये। हमें सभी युवायों को सकारत्मक के साथ आगे बढ़ना है।

अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें तालिबान, आतंकवाद पर भरोसा है इसलिए उन्हें हमारी पुलिस पर भरोसा नहीं है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सिर्फ भारत मां का तिरंगा है। इसलिए आज हमने इसकी शुरुआत शहीदों के परिवार के सम्मान से की है। विपक्ष पर बरसते हुए उन्होंने कहा की आज जब सड़कों पर बुलडोजर निकलता है तो जनता समझ जाती है कि किसी माफिया की तानाशाही मिट्टी में मिलने वाली है। सीएए मानवीय कानून था।सपा सरकार में पुलिस मंत्रियों की भैंस ढूंढ़ती थी। आज पुलिस जनता को न्याय देने में व्यस्त है।

यूपी चुनाव की तैयारी में जुटी बसपा, बिना प्रवक्ता वाली पार्टी ने बनाए 3 प्रवक्ता

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर सभी पार्टियां अपनी अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन सबके बीच मायावती की पार्टी बसपा भी रणनीति बनाने में जुट गई है। यही कारण है कि बिना प्रवक्ताओं वाली पार्टी के तौर पर जानी जाने वाली बहुजन समाज पार्टी अब टीवी डिबेट के लिए प्रवक्ताओं की फौज खड़ी कर रही है। 2022 में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने बड़ा बदलाव करते हुए 3 लोगों को पार्टी का प्रवक्ता बनाया है। ऐसा पहली बार हो रहा है जब पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर प्रवक्ता बनाए गए हैं। पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक मायावती ने जिन 3 लोगों को पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया है उनमें धर्मवीर चौधरी, एमएच खान और फैजान खान का नाम शामिल है। यह तीनों नेता अब आधिकारिक तौर पर बसपा का पक्ष रखेंगे। धर्मवीर चौधरी और एमएच खान तो पहले से ही बसपा समर्थक के तौर पर टीवी डिबेट में अपना पक्ष रखते रहे हैं। हालांकि यह बात भी सच है कि बसपा की ओर से कई नेता डिबेट में शामिल होते रहे हैं लेकिन बसपा के समर्थक के तौर पर शामिल होते थे। अब पार्टी की ओर से बकायदा आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। हालांकि आश्चर्य की बात तो यह है कि बसपा नेता सुधींद्र भदौरिया लगातार टीवी डिबेट में पार्टी का पक्ष रखते थे लेकिन नए प्रवक्ताओं के सूची में उनका नाम शामिल नहीं है। माना जाता है कि बसपा मीडिया से दूरी वाली पार्टी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)